

# सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
अकेला	एकल	जिसके साथ कोई न हो । बिना साथी का ।
अखरोट	अक्षोट	एक बहुँत ऊँचा पेड़ जो हिमालय पर भूटान से लेकर कश्मीर और आफगानिस्तान तक होता है । इसका फल अंडाकार, बहेड़े के समान होता है ।
अखाड़ा	अक्षवाट	वह स्थान जो मल्लयद्ध के लिये बना हो ।
अगम	अगम्य	जहाँ कोई जा न सके ।
अँगरखा	अङ्गरक्षक	एक पुराना मर्दाना पहिनावा जो घुटनों के नीचे तक लंबा होता है और जिसमें बाँधने के लिये बंद टँके रहते हैं ।
अगहन	अग्रहायण	प्राचीन वैदिक क्रम के अनुसार वर्ष का अगला वा पहला महीना । मार्गशीर्ष ।
अगाड़ी	अग्र+आड़ी	आगे । भविष्य में ।
अँगिया	अङ्गिका	स्त्रियों का एक पहिनावा जिससे केवल स्तन ढँके रहते हैं, पेट और पीठ खुली रहती है ।
अँगीठी	अग्निष्ठिका	आग रखने का छोटा बरतन ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
अगुआ	अग्रगामी	आगे चलनेवाला व्यक्ति ।
अँगूठा	अङ्गुष्ठ	मनुष्य के हाथ की सबसे छोटी और मोटी उँगली ।
अँगूठी	अङ्गुष्ठ+ई	उँगली में पहनने का एक गहना ।
अँगोछा	अङ्ग+प्रोज्ज्ञ	देह पोछने का कपड़ा ।
अचरज	आश्र्य	अचंभा । विस्मय ।
अचानक	अज्ञानात्	बिना पूर्वसूचना के ।
अचूक	अच्युत	जो न चुके । जो खाली न जाय ।
अजवायन	यवानिका	यवानी ।
अजान	अज्ञान	जो न जाने । अनजान । अबोध । अनभिज्ञ । अबूझ । नासमझ ।
अँजुरी	अञ्जलि	दोनों हथेलियों को मिलाकर बनाया हुआ संपुट ।
अटारी	अट्टालिका	दीवारों पर छत पाटकर बनाई हुई कोठरी ।
अटानबे	अष्टानवति	नब्बे और आठ । १८ ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
अठारह	अष्टादश	दस और आठ । १८ ।
अढ़ाई	अर्द्धतीय	दो ओर आधा । ढाई ।
अद्रक	आर्द्रक	तीन फुट ऊँचा एक पौधा जिसकी पत्तियाँ लबी जड़ या गाँठ तीक्ष्ण और चरपरी होती । इसकी गाँठ मसाल, चटनी, अचार और दवाओं में काम आती है । यह गर्म और कटु होता है तथा कफ, वात, पित्त और शूल का नाश करती है ।
अंधा	अन्धक	वह जीव जिसके आँखों में ज्योति न हो ।
अँधेरा	अन्धकार	तम । प्रकाश का अभाव । उजाले का विलोम ।
अनगिनत	अगणित	जसकी गिनती न हो । असंख्य । बेशुमार ।
अनाज	अन्न	अन्न । धान्य । नाज । दाना । गल्ला ।
अनाड़ी	अनार्य	नासमझ । अनजान ।
अनूठा	अनुत्थ	अपूर्व । अनोखा ।
अपना	आत्मनः	निज का ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
अपाहिज	अपादहस्त	अंग भंग । लुला लँगडा ।
अमावस	अमावस्या	कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि । वह तिथी जिसमें सूर्य और चंद्रमा एक ही शशि के हों ।
अमिय	अमृत	वह वस्तु जिसके पीने से जीव अमर हो जाता है । पुराणनुसार समुद्रमन्थन से निकले १४ रन्तों में से एक । सुधा ।
अमोल	अमूल्य	अत्यधिक मूल्य का । मूल्यवान् ।
अम्माँ	अम्बा	माता । माँ ।
अरग	अगरु	अरगजा । पीले रंग का एक मिश्रित द्रव्य जो सुगंधित होता है । इसे देवताओं को चढ़ाते हैं और माथे में लगाते हैं ।
अलग	अलग्न	पृथक् । भिन्न ।
अलोना	अलवण	बिना नमक का । जिसमें नमक न पड़ा हो ।
अस्तुति	स्तुति	गुणकीर्तन । स्तव । प्रशंसा । बड़ाई ।
अस्सी	अशीति	सत्तर और दस की संख्या । दस अठगुना ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
अहीर	आभीर	एक जाति जिसका काम गाय भौस रखना और दूध बेचना है । गवाला ।
अहेर	आखेट	शिकार । मृगया ।
आँक	अङ्क	अंक । चिह्न ।
आँख	अक्षि	देखने की इंद्रिय । वह इंद्रिय जिससे प्राणियों को रूप अर्थात् वर्णविस्तार तथा आकार का ज्ञान होता है ।
आखर	अक्षर	अकारादि वर्ण । मनुष्य के मुख से निकली हुई ध्वनि को सूचित करने का संकेत या चिह्न ।
आग	अग्नि	तेज और प्रकाश का पुंज जो उष्णता की पराकाष्ठा पर पहुँची हुई वस्तुओं में देखा जाता है ।
आँगन	अङ्गण	घर के भीतर का वह चौखूटा स्थान जिसके चारों ओर कोठिरियाँ और बरामद हों ।
आगे	अग्र	और दूर पर । और बढ़कर ।
आँच	अर्चि	गरमी । ताप । आग की लपट । लौ । ताव । तेज । प्रताप । आघात । चोट । हानि । अहित । अनिष्ट ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
आँचल	अञ्चल	धोती, दुपट्टा आदि बिना सिले हुए वस्त्रों के दोनों छोरों पर का भाग । पल्ला । छोर ।
आज	अद्य	वर्तमान दिन में । जो दिन बीत रहा है उसमें ।
आठ	अष्ट	एक संख्या । चार का दूना ।
आंत	आन्त्र	अंतिम
आधा	आर्द्ध	किसी वस्तु के दो बराबर हिस्सों में से एक ।
आम	आम्र	एक बढ़ा पेड़ उसका फल । रसाल ।
अमचूर	आम्रचूर्ण	सुखाए हुए कच्चे आम का चूर्ण ।
आयसु	आज्ञा	बड़ों का छोटों को किसी काम के लिये कहना । आदेश । स्वीकृति । अनुमति ।
आरती	आरात्रिक	किसी मूर्ति के ऊपर दीपक को घुमाना । नीराजन । दीप ।
आरसी	आदर्शिका	दर्पण ।
आलस	आलस्य	कार्य करने में अनुत्साह । सुस्ती ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
आँवला	आमलक	एक प्रसिद्ध पेड़। इस पेड़ का फल। कार्तिक से माघ तक इसका फल रहता है जो गोल कागजी नीबू के बराबर होता है।
आसरा	आश्रय	आधार। अवलंब।
आँसू	अश्रु	वह जल जो आँख के भीतर उस स्थान पर जमा रहता है, जहाँ से नाक की ओर नली जाती है। आँसू भी थूक की तरह पैदा होता रहता है और बाहरी या मानसिक आधात से बढ़ता है। किसी प्रबल मनोवेग के समय, विशेषकर पीड़ा और शोक में आँसू निकलते हैं। क्रोध और हर्ष में भी आँसू निकलते हैं।
आसोज	अश्विन मास	क्वार का महीना।
इकट्ठा	एकस्थ	एकत्र। जमा।
इकलौता	एकलपुत्र	वह लड़का जो अपने माँ बाप का अकेला हो। वह लड़का जिसके और भाई बहिन न हों। एकमात्र। अकेला।
इतवार	आदित्यवार	शनि और सोमवार के बीच का दिन। रविवार।
इमली	अम्लिका	एक बड़ा पेड़ जिसकी पत्तियाँ छोटी छोटी होती हैं और सदा हरी रहती हैं। इसमें लंबी लंबी फलियाँ लगती हैं जिनके ऊपर पतला पर कड़ा छिलका

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
		होता है। छिलके के भीतर खट्टा गूदा होता है जो पकने पर लाल और कुछ मीठा हो जाता है। इस पेड़ की फली।
इमि	एवम्	इस प्रकार।
ईख	इक्षु	शर जाति का एक प्रकार जिसके डंठल में मीठा रस भरा रहता हैं। इसके रस से गुड़ चीनी और मिश्री अदि बनती हैं।
ईट	इष्टका	साँचे में ढाल हुआ मिट्टी का चौखूँटा लंबा दुकड़ा जो पजावे में पकाया जाता हैं। इसे जोड़कर दीवार उठाई जाती है।
ईधन	इन्धन	जलाने की लड़की, कोयला, कंड़ा आदी। जलावन।
उगलना	उद्गरण	पेट में गई हुई वस्तु को मुँह से बाहर निकालना।
उघाड़ना	उद्घाटन	आवरण का हटाना। उन्नत करना, ऊपर उठाना। प्रकट करना। प्रकाशित करना।
उछाह	उत्साह	उत्साह। उमंग। हर्ष। प्रसन्नता। आनंद।
उजला	उज्ज्वल	श्वेत। धौला। स्वच्छ। निर्मल।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
उठना	उत्तिष्ठ	नीची स्थिति से और ऊँची स्थिति में होना । किसी वस्तु का ऐसी स्थिती में होना जिसमें उसका विस्तार पहले की अपेक्षा अधिक ऊँचाई तक पहुँचे ।
उपास	उपवास	खाना पीना छूटना ।
उबटन	उद्वर्तन	शरीर पर मलने के लिये सरसों, तिल और चिरौंजी आदि का लेप ।
उबालना	उद्वलन	पानी, दूध, या और किसी तरल पदार्थ को आग पर रखकर इतना गरम करना कि वह फेन के साथ ऊपर उठ आवे । खौलाना ।
उमस	उष्म	गरमी । वह गरमी, जो हवा पतली पड़ने या न चलने पर मालूम होती है ।
उलाहना	उपालम्भ	किसी की भूल या अपराध को उसे दुःखपूर्वक जताना । किसी से उसकी ऐसी भूल चूक के विषय में कहना सुनान जिससे कुछ दुःख पहुँचा हो ।
उल्लू	उलूक	दिन में न देखनेवाला एक पक्षी ।
उसास	उच्छवास	लंबी साँस । ऊपर को चढ़ती हुई साँस ।
ऊँगली	अङ्गुलि	हथेली के छोरों से निकले हुए फलियों के आकार के पाँच अवयव जो वस्तुओं को ग्रहण करते हैं और जिनके छोरों पर स्पर्शज्ञान की शक्ति अधिक होती है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
ऊँचा	उच्च	जो दूर तक ऊपर की ओर गया हो । उठा हुआ । उन्नत ।
ऊँट	उष्ट्र	एक ऊँचा चौपाया जो सवारी और बोझ लादने के काम में आता है । यह गरम और जलशून्य स्थानों अर्थात् रेगिस्तानी मुल्कों में अधिक होता है ।
ऊन	ऊण	भेड़ या बकरी के बाल ।
ऊपर	उपरि	ऊँचे स्थान में । ऊँचाई पर आकाश की ओर ।
ऐसा	ईदृश	इस प्रकार का । इस ढंग का । इस भाँति का । इसके समान ।
ओखली	उलूखल	काठ या पथर का बना हुआ गहरा बरतन जिसमें धान या और किसी अन्न को डालकर भूसी अलग करने के लिये मूसल से कूटते हैं ।
ओझा	उपाध्याय	सरयूपारीण, मैथिल और गुजराती ब्राह्मणों की एक जाति ।
ओला	उपल	गिरते हुए मेघ के जमे हुए गोले ।
ओस	अवश्यय	वायु में मिली हुई भाप जो रात में जमकर और जलविंदु के रूप में वायु से अलग होकर पदार्थों पर लग जाती है ।
ओसार	उपशाला	फैलाव । विस्तार । चौड़ाई । अवकाश ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
ओंधा	अधः	उलटा । पट ।
कई	कति	एक से अधिक । अनेक ।
कंधी	कङ्कती	लकड़ी, सींग आदि की बनी हुई चीज जिसमें लंबे पतले दाँत होते हैं । इससे सिर के बाल झाड़े या स्वच्छ किए जाते हैं ।
कचहरी	कृत्यगृह	गोष्ठी । जमावड़ा । राजसभा । न्यायालय का कार्यालय ।
कच्चा	कषण	बिना पका । जो पका न हो । हरा और बिना रस का । अपक्व ।
कछुआ	कच्छप	एक जलजंतु जिसके ऊपर बड़ी कड़ी ढाल की तरह खोपड़ी होती है । कच्छप ।
कटघरा	काष्ठगृह	काठ का घेरा जिसमें लोहे वा लकड़ी के छड़ लगे हों । अदालत में वह स्थान जहाँ विचार के समय अभियुक्त और अपराधी खड़े किए जाते हैं ।
कटहल	कण्टफल	एक सदा बहार घना पेड़ जो भारतवर्ष के सब गरम भागों में लगाया जाता है तथा पूर्वी और पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों पर आपसे आप होता है । इसमें बड़े बड़े फल लगते हैं जिनकी लंबाई हाथ डेढ़ हाथ तक की और घेरा भी प्रायः इतना ही होता है । ऊपर का छिलका बहुत मोटा होता है जिसपर बहुत से नुकीले कँगूरे होते हैं । फल के भीतर बीच में गुठली होती है जिसके चारों

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
		ओर मोटे मोटे रेशों की कथरियों में गूदेदार कोए रहते हैं । इस पेड़ का फल ।
कड़ाहा	कटाह	आँच पर चढ़ाने का लोहे बहुत बड़ा गोल बरतन जिसके दो ओर पकड़ने के लिये कुंडे लगे रहते हैं । इसमें पूरी, हलवा इत्यादि बनाते हैं ।
कटुआ	कटु	स्वाद में उग्र और अप्रिय । जिसका तीक्ष्ण स्वाद जीभ को असह्य हो ।
कंधा	स्कन्ध	मनुष्य के शरीर का वह भाग जो गले और मोढ़े (बाहु के जोड़ के पास का बना हुआ घेरा) के बीच में है ।
कपड़ा	कर्पट	रुई, रेशम, ऊन या सन के घागों से बुना हुआ आच्छादन । वस्त्र । पट ।
कपूत	कुपुत्र	वह पुत्र जो अपने कुलधर्म के विरुद्ध आचरण करे । बुरी चाल चालन का पुत्र । बुरा लड़का ।
कपूर	कर्पूर	एक सफेद रंग का जमा हुआ सुगंधित द्रव्य जो वायु में उड़ जाता है और जलाने से जलता है ।
कबूतर	कपोत	एक पक्षी । केवल हर्ष के समय यह गुटरुगुँ का अस्पष्ट स्वर निकलता है । पीड़ा के तथा और दूसरे अवसरों पर नहीं बोलता । इसे मार भी डालें तो यह मुँह नहीं खोलता ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
करतब	कर्तव्य	कार्य । काम । करनी । करतूत । कर्म ।
करोड़ी	कोटि	सौ लाख की संख्या जो अंकों में इस प्रकार लिखी जाती है—१००००००० ।
काज	कार्य	प्रयत्न जो किसी उद्देश्य की सिद्धिके लिये किया जाय । कार्य । काम । कृत्य ।
काजल	कज्जल	वह कालिख जो दीपक के धुएँ के जसने से किसी ठीकरे आदि पर लग जाती है और आँखों में लगाई जाती हैं ।
काँटा	कण्टक	किसी किसी पेड़ की डालियों और टहनियों में निकले हुए सुई की तरह के नुकिले अंकुर जो पुष्ट होने पर बहुत कड़े हो जाते हैं । कंटक ।
काठ	काष्ठ	पेड का कोई स्थूल अंग (डाल तना आदि) जो आधार से अलग हो गया हो । लकड़ी ।
कान	कर्ण	वह इँद्रिय जिससे शब्द का ज्ञान होता है । सुनने की इँद्रिय । श्रवण । श्रुति । श्रोत्र ।
काना	काण	जिसकी एक आँख फूट गई हो । जिसे एक आँख न हो । एकाक्ष । एक आँख का ।
कान्हा	कृष्ण	श्री कृष्ण ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
काम	कर्म	इच्छा । मनोरथ ।
करना	करण	किसी काम को चलाना । किसी क्रिया को समाप्ति की ओर ले जाना । निबटाना । भुगताना ।
किवाड़	कपाट	लकड़ी का पल्ला जो द्वार बंद करने के लिये द्वारा की चौखट में जड़ा जाता है ।
किसन	कृष्ण	श्री कृष्ण ।
किसान	कृषाण	कृषि या खेती करनेवाला । खेतिहर । गाँव में नाई, बारी आदि जिनके घर कमाते हैं उन्हे किसान कहते हैं ।
कीड़ा	कीट	कीट । छोटा उड़ने या रेंगनेवाला जंतु । मकोड़ा ।
कुआँ	कूप	पानी निकालने के लिए पृथक् में खोदा हुआ एक गहरा गह्ना । कूप ।
कुँआरा	कुमारक	जिसका ब्याह न हुआ हो । बिन ब्याहा ।
कुछ	किञ्चित्	थोड़ी संख्या या मात्रा का ।
कुत्ता	कुक्कुर	भेड़िए, गीदड़ और लोमड़ी आदि की जाति का एक हिंसक पशु जिसे लोग साधारणतः घर की रक्षा के लिये पालते हैं । श्वान । कूकुर ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
कुबड़ा	कुञ्ज+डा	वह पुरुष जिसकी पीठ टेढ़ी हो गई हो या झुक गई हो ।
कुम्हार	कुम्भकार	मिट्टी का बरतन बनानेवाला
कुल्हाड़ा	कुठार	एक औजार, जिससे बढ़ी आदि पेड़ काटते और लकड़ी चीरते हैं ।
कुँवर	कुमार	लड़का । पुत्र । बेटा । राजपुत्र । राजा का लड़का ।
कुँवारी	कुमारी	लड़की । पुत्री । बेटी । राजपुत्री । राजा का लड़की ।
कूँची	कूर्चिका	छोटा कूचा । छोटी झाड़ू ।
केकड़ा	कर्कट	पानी का एक कीड़ा जिसे आठ टाँगें और दो पंजे होते हैं ।
केला	कदली	एक प्रसिद्ध पेड़ । कदली ।
केवट	केवर्त	एक जाति के लोग आजकल नाव चलाने तथा मिट्टी खोदने का काम करते हैं ।
केस	केश	सिर का बाल । रश्मि । किरण ।
कैथ	कपिथ	एक कँटीला पेड़ जो बेल के पेड़ के समान होता है और जिसमें बेल के आकार के फल लगते हैं ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
कोख	कुक्षि	उदर   जठर   पेट   पसलियों के नीचे, पेट के दोनों बगल का स्थान   गर्भाशय
कोठी	कोष्ठक	बड़ा पक्का मकान   बँगला   वह मकान जिसमें रूपए का लेनदेन या कोई बड़ा कारबार हो   बड़ी दूकान जिसमें थोक की बिक्रि होती हो या ऋण दिया जाता हो अथवा बंक की तरह रुपया जमा किया जाता हो
कोढ़ी	कुष्ठी	कोढ़ रोग से पीड़ित मनुष्य
कोना	कोण	एक बिंदु पर मिलती या कटती हुई दो ऐसी रेखाओं के बीच का अंतर, जो मिलकर एक न हो जाती हों
कोयल	कोकिल	काले रंग की एक प्रकार की चिड़िया   यह आकार में कौवे से कुछ छोटी होती है और मैदानों में बसंत ऋतु के आरंभ से वर्षा के अंत तक रहती है   यह चिड़िया सारे संसार में पाई जाती है; और प्रायः सभी भाषाओं में इसके नाम भी स्वर के अनुकरण पर बने हैं। इसकी आँखे लाल, चोंच कुछ झुकी हुई और दुम चौड़ी तथा गोल होती है। इसका स्वर बहुत ही मधुर और प्रिय होता है।
कोस	क्रोश	दूरी की एक नाप जो प्राचीन काल में ४००० हाथ, या किसी किसी के मत से ८००० हाथ का होती थी। आजकल कोस प्रायः दो मील का माना जाता है।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
कौवा	काक	<p>एक प्रसिद्ध पक्षी जो संसार के प्रायः सभी भागों में पाया जाता है। इसकी कई जातियाँ होती हैं। पर भारत में प्रायः दो ही प्रकार के कौवे पाए जाते हैं। साधारण कौवा आकार में डेढ बालिशत होता है। इसकी चोच लंबी और कड़ी होती है और पैर मजबूत होते हैं। इसका धड या अगला भाग खाकी और पीछे का भाग काला होता है। इसकी नाक ठीक मध्य में नहीं होती, कुछ किनारे हटकर होती है। यह प्रायः वृक्षों की टहनियों पर घोंसला बनाता है। यह बैसाख से भादों तक अंडा देता है, जिनकी संख्या ४ से ६ तक होती है। कहते हैं, यह अपने जीवन में केवल एक बार अंडे देता है। अंडे का रंग हरा होता है और उसपर काले दाग होते हैं। कोयल भी अपने अंडे इसी के घोंसले में रख जाती है; पर जब उसमें से बच्चा निकलता है, तब यह उसे अपने घोंसले से निकाल देता है। दूसरे प्रकार का कौवा आकार में बड़ा और प्रायः एक हाथ लंबा होता है। इसका सर्वांग बिल्कुल काला होता है। इस जाति के कौबे आपस में बहुत लडते और प्रायः एक दूसरे को मार डालते हैं। यह पूस से फागुन तक अंडे देता है। इसे डोम कौवा कहते हैं।</p>
कौड़ी	कपर्दिका	<p>समुद्र का एक कीड़ा जो घोघे की तरह एक अस्थिकोष के अंदर रहता है। भास्कराचार्य ने लिलावती में इसके मुल्य का विवरण दिया है। एक पैसे में प्रायः ८० कौड़ियाँ या २५ दाम माने जाते थे।</p>
क्यों	किम्	<p>किसी व्यापार या घटना के कारण की जिज्ञासा करने का शब्द। किस कारण ? किस निमित्त ? किसलिये ?</p>
खँडहर	खण्डगृह	<p>किसी टूटे फूटे या गिरे हुए मकन का बचा हुआ भाग। खंडर।</p>

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
खत्री	क्षत्रिय	हिंदुओं में क्षत्रियों के अंतर्गत एक जाति जो अधिकतर पंजाब में बसती है। इस जाति के लोग प्रायः व्यापार करते हैं।
खप्पर	खर्पर	तसले के आकार का मिट्टी का पात्र। काली देवी का वह पात्र जिसमें वह रुधिरपान करती है।
खंभा	स्तम्भ	पत्थर या काठ का लंबा खाड़ा टुकड़ा अथवा ईंट आदि की थोड़े घेरे की ऊँची खाड़ी जोड़ाई जिसके आधार पर छत या छाजन रहती है।
खान	खानि	वह स्थान जहाँ से धातु, पत्थर आदि खोदकर निकाले जायँ।
खार	क्षार	दाहक, जारक, विस्फोटक या इसी प्रकार की और वानस्पत्य औषधियों को जलाकर या खनिज पदार्थों को पानी में घोल और रासायनिक क्रिया द्वारा साफ करके तैयार की हुई राख का नमक।
खाँसी	कास	गले और श्वास की नलियों में फँसे या जमे हुए कफ अथवा अन्य पदार्थ को बाहर फेकने के लिये झटके के साथ हवा निकालने की क्रिया।
खीर	क्षीर	दूध में पकाया हुआ चावल।
खुजली	खर्जू	अंग में खटमल, मच्छड़, आदि के काटने या किसी छोटा कीड़े के धीरे धीरे रेंगने का सा अनुभव। सुरसुरी।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
खेत	क्षेत्र	वह भूमिखंड जो जोतनें बोने और अनाज आदि की फसल उत्पन्न करने के योग्य हो ।
खेती	क्षेत्रित	खेत में अनाज बोने का कार्य । कृषि । किसानी ।
गड्हा	गर्त	वह जमीन जो अपनी आसपास की चारों ओर की जमीन से एक- बारगी गहरी या नीची हो । जमीन में वह खाली स्थान जिसमें लंबाई, चौड़ाई और गहराई हो । खाता । गट्ठा । खट्टु ।
गदहा	गर्दभ	घोड़े के आकार का पर उससे कुछ छोटा एक पसिद्ध चौपाया जो प्रायः मटमैले रंग का और दो हाथ ऊँचा होता है । गधा । गर्दभ । खर ।
गमछा	अङ्ग+प्रोञ्छ	देह पोछने का कपड़ा । तौलिया । ऊपर रखने के लिये एक कपड़े का टुकड़ा । इसे प्रायः लोग कंधे पर रखते हैं । उपवस्त्र ।
गला	ग्रीवा	शरीर का वह अवयव जो सिर को धड़ से जोड़ता है । कंठ ।
गरमी	ग्रीष्म	उष्णता । ताप । जलन ।
गलना	गलन	किसी पदार्थ के घनत्व का कम या नष्ट होना । किसी द्रव्य के संयोजक अंशों या अणुओं का एक दूसरे से इस प्रकार पृथक् हो जाना जिससे वह द्रव्य विकृत, कोमल या द्रव हो जाय ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
गँवार	ग्रामीण	गँव का रहनेवाला । मूर्ख । अनाड़ी । अनजान । नासमझ ।
गवैया	गायक	गानेवाला ।
गहरा	गम्भीर	(पानी) जिसमें जमीन बहुत अंदर जाकर मिले । जिसकी थाह बहुत नीचे हो । गंभीर । निम्न ।
गाजर	गर्जरम्	एक पौधे का नाम जिसकी पत्तियाँ धनिए की पित्तियों से मिलती जुलती, पर उससे बहुत बड़ी होती हैं । इसकी जड़ मूली की तरह, पर अधिक मोटी और कालिमा लिए भंटे की तरह गहरे लाल रंग की होती है । पीले रंग की भी गाजर होती है । यह खाने में बहुत मीठी होती है ।
गँठ	ग्रन्थि	रस्सी, डोरी आदि में पड़ी हुई मुद्दी की उलझन जो खिंचकर कड़ी और दृढ़ हो जाती है ।
गाभिन	गार्भिणी	जिसके पेट में बच्चा हो ।
गाय	गो	सींगवाला एक मादा चौपाय जिसके नर को सौँड़ या बैल कहते हैं । गाय बहुत प्राचीन काल से दूध के लिये पाली जाती है । भारतवासियों को यह अत्यंत प्रिय और उपयोगी है । इसके दूध और घी से अनेक प्रकार की खाने की चीजें बनाई जाती हैं । गाय बहुत सीधी होती है; बच्चा भी उसके पास जाय, तो नहीं बोलती ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
गाँव	ग्राम	वह स्थान जहाँपर बहुत से किसानों के घर हों। छोटी बस्ती।
गिनना	गणन	वस्तुओं को समूह से तथा एक दूसरी से अलग अलग करके उनकी संख्या निश्चित करना।
गिर्द	गृध्र	एक प्रकार का बड़ा मांसाहारी पक्षी।
गुफा	गुहा	वह गहरा अँधेरा गह्ना जो भूमि या पहाड़ के नीचे बहुत दूर तक चला गया हो।
गोसाई	गोस्वामी	गौओं का स्वामी या अधिकारी। स्वर्ग का मालिक, ईश्वर।
गूथना	गुम्फन	कई वस्तुओं को तागे आदि के द्वारा एक में बाँधना या फँसना। कई चीजों को एक में बाँधना या फँसाना। कई चीजों को एक गुच्छे या लड़ी में नाथना। पिरोना।
गेंद	कन्दुक	कपड़े, रबर या चमड़े का गोला जिससे लड़के खेलते हैं। कंदुक।
गेहूँ	गोथूम	एक अनाज जिसकी फसल अग-हन में बोई जाती और चैत में काटी जाती है। इसका पौधा डेढ़ या पौने दो हाथ ऊँचा होता है और इसमें कुश की तरह लंबी पतली पत्तियाँ पेड़ों से लगी हुई निकलती हैं। पेड़ों के बीच से सीधे ऊपर की ओर एक सींक निकलती है जिसमें बाल लगती है। इसी बाल में दाने गुच्छे रहते हैं। गेहूँ की खेती अत्यंत प्राचीन काल से होती आई है।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
गोबर	गोमल	गाय का विष्ठा । गौ का मल ।
गोरा	गौर	श्वेत और स्वच्छ वर्ण वाला मनुष्य । जिसके शरीर का चमड़ा श्वेत हो ।
ग्यारह	एकादश	दस और एक । ११ ।
ग्वाला	गोपाल	गौ का पालन पोषण करनेवाला ।
घंटी	घण्टिका	पीतल या फूल की छोटी लोटिया ।
घड़ा	घट	मिट्टी का बना हुआ गगरा । जलपात्र । बड़ी गगरी । कलसा । घैला । कुंभ । ठिल्ला ।
घड़ी	घटिका	काल का एक मान । दिन रात का ३२ वाँ भाग । २४ मिनट का समय ।
घर	गृह	मनुष्यों के रहने का स्थान जी दीवार आदि से घेरकर बनाया जाता है । निवासस्थान । आवास ।
घाम	धर्म	धूप । सूर्यांतिप ।
घिन	घृणा	चित्त की वह खिन्नता जो किसी बुरी या कुत्सित वस्तु को देख या सुन कर उत्पन्न होती है । अरुचि ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
घी	घृत	दूध का चिकना सार जिसमें से जल का अंश तपाकर निकाल दिया गया हो। तपाया हुआ मक्खन।
घूँघट	गुण्ठनम्	स्त्रियों की साड़ी या चादर के किनारे का वह भाग जिसे वे लज्जावश या परदे के लिये सिर पर से नीचे बढ़ाकर मुँह पर डाले रहती हैं। वस्त्र का वह भाग जिससे कुलवधू का मुँह ढँका रहता है।
घोड़ा	घोटक	चार पैरोंवाला एक प्रसिद्ध और बड़ा पशु। अश्व। वाजि।
चक्कर	चक्र	पहिए के आकार की कोई (विशेषतः घूमनेवाली) बड़ी गोल वस्तु।
चना	चणक	चैती फसल का एक प्रधान अन्न जिसका पौधा हाथ डेढ़े हाथ तक ऊँचा होता है।
चबाना	चर्वण	दाँतों में कुचलना। जुगालना।
चमड़ा	चर्म+डा	प्राणियों के सारे शरीर का वह ऊपरी आवरण जिसके कारण मांस, नसें आदि दिखाई नहीं देतीं। चर्म। त्वचा।
चमार	चर्मकार	एक जाति जो चमड़े का काम बनाती है।
चरन	चरण	पैर। पाँव।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
चहुँओर	चतुर्दिक्	
चाक	चक्र	पहिए की तरह का वह गोल (मंडलाकार) पत्थर जो एक कील पर घूमता है और जिसपर मिट्टी का लोंदा रखकर कुहार बरतन बनाते हैं।
चौंच	चञ्चु	पक्षीयों के मुँह का अगला भाग जो हड्डी का होता है और जिसके द्वारा वे कोई चीज उठाते, तोड़ते और खाते हैं। पक्षियों के लिये यह सम्मिलित हाथ, होंठ और दाँत का काम देती है। टोंट। तुंड।
चाँद	चन्द्र	चंद्रमा।
चाँदनी	चन्द्रिका	चंद्रमा का प्रकाश। चंद्रमा का उजाला। चंद्रिका। ज्योत्स्ना। कौमुदी।
चार	चत्वारः	जो गिनती में दो और दो हो। तीन से एक अधिक जैसे, चार आदमी।
चिकना	चिक्कण	जो छूने में खुरदार न हो। जो ऊबड़ खाबड़ न हो। जिसपर उँगली फेरने से कहीं उभाड़ आदि न मालूम हो। जो साफ और बराबर हो।
चिड़िया	चटिका	आकाश में उड़नेवाला जीव। वह प्राणी जिसके ऊपर उड़ने के लिये पर हों। पक्षी। पखेझ। पंछी।
चीता	चित्रक	बिल्ली की जाति का एक प्रकार का बहुत बड़ा हिंसक पशु।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
चूमना	चुम्बन	प्रेम के आवेश में अथवा यों ही होठों से (किसी दूसरे के) गाल आदि अंगों को अथवा किसी और पदार्थ को स्पर्श करना, चूसना या दबाना ।
चूरन	चूर्ण	सुखा पीसा हुआ अथवा बहुत ही छोटे छोटे टुकड़े में किया हुआ पदार्थ ।
चैत	चैत्र	वह चांद्र मास जिसकी पूर्णिमा को चित्रा नक्षत्र पड़े । फागुन के बाद और बैसाख से पहले का महीना ।
चोर	चौर	जो छिपकर पराई वस्तु का अपहरण करे । स्वामी की अनुपस्थिति या अज्ञानता में छिपकर कोई चीज ले जानेवाला मनुष्य ।
चौकोर	चतुष्कोण	जिसके चार कोने हों ।
चौखट	चतुष्काठ	द्वार पर लगा हुआ चार लकड़ियों का ढाँचा जिसमें किवाड के पल्ले लगे रहते हैं ।
चौथ	चतुर्थी	प्रतिपक्ष की चौथी तिथि । हर पखवारे का चौथा दिन ।
चौथा	चतुर्थ	क्रम में चार के स्थान पर पड़नेवाला । तीसरे के उपरांत का । जिसके पहले तीन और हों ।
चौदह	चतुर्दश	जो गिनती में दस और चार हो । जो दस से चार अधिक हो ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
चौपाया	चतुष्पद	चार पैरोंवाला पशु । गाय, बैल, भैंस आदि पशु । (प्रायः गाय बैल आदि के लिये ही अधिक बोलते हैं) ।
चौबीस	चतुर्विंश	जो गिनती में बीस और चार ही । बीस से चार अधिक ।
छकड़ा	शकट	बोझ लादने की दुपहिया गाड़ी जिसे बैल खींचते हैं । बैलगाड़ी ।
छत	छत्र	एक घर की दिवारों के ऊपर का पटिया, चूना, कंकड़ आदि डालकर बनाया हुआ फर्श । पाटन ।
छति	क्षति	हानि । त्रुटि ।
छाता	छत्र	लोहे, बाँस आदि की तीलियों पर कपड़ा चढ़ाकर बनाया हुआ आच्छादन जिसे मनुष्य धूप, मेंह आदि से बचने के लिये काम में लाते हैं ।
छाँह	छाया	वह स्थान जहाँ आङ़ या रोक के कारण धूप या चाँदनी न पड़ती हो । छाया जैसे, पेड़ की छाह ।
छिलका	शल्क	फलों, कदों तथा इसी प्रकार की और वस्तुओं के ऊपर का कोश या बाहर आवरण जो छीलने, काटने या तोड़ने से सहज में अलग हो सकता है । फलों की त्वचा या ऊपरी झिल्ली । एक परत की खोल जो फलों, बीजों आदि के ऊपर होती है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
छीन	क्षीण	दुबला । पतला । कृश ।
छेद	छिद्र	छेदन । काटने का काम ।
जजमान	यजमान	वह जो यज्ञ करता हो । दक्षिणा आदि देकर ब्राह्मणों से यज्ञ, पूजन आदि धार्मिक कृत्य करानेवाला व्रती । यष्टा ।
जड़	जटा	जिसमें चेतनता न हो । अचेतन । जिसकी इंद्रियों की शक्ति मारी गई हो ।
जतन	यत्न	उद्योग । प्रयत्न ।
जंतर	यन्त्र	कल । औजार । यंत्र । तांत्रिक यंत्र ।
जथा	यूथ	बहुत से जीवों का समूह । झुंड ।
जन्म	जन्म	उत्पत्ति । जन्म ।
जनेऊ	यज्ञोपवीत	यज्ञोपवीत । ब्रह्मसूत्र ।
जब	यावत्	जिस समय ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
जमुना	यमुना	उत्तर भारत के एक प्रसिद्ध बड़ी नदी जो हिमालय के यमुनोत्तरी नामक स्थान से निकलकर प्रयाग में गंगा में मिलती है। हिंदू इसे बहुत पवित्र नदी और यम की बहल यमी का स्वरूप मानते हैं।
जँभाई	जृम्भिका	मुँह के खुलने की एक स्वाभाविक क्रिया जो निद्रा या आलस्य मालूम पड़ने, शरीर से बहुत अधिक खून निकल जाने या दुर्बलता आदि के कारण होती है। उबासी।
जलना	ज्वलन	किसी पदार्थ का अग्नि के संयोग से अंगारे या लपट के रूप में हो जाना। दग्ध होना। भस्म होना।
जमाई	जामाता	दामाद। जँवाई।
जवान	युवा	तरुण। पराक्रमी।
जैसा	यादृश	जिस प्रकार का। जिस रूप रंग, आकृति या गुण का।
जसोदा	यशोदा	नंद की स्त्री जिन्होंने श्रीकृष्ण को पाला था।
जाँघ	जङ्घा	घुटने और कमर के वीच का अंग। ऊरु।
जाड़ा	जाड्य	वह ऋतु जिसमें बहुत ठंडक पड़ती हो। शीतकाल।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
जिगर	यकृत्	कलेजा ।
जुगत	युक्ति	उपाय । ढंग ।
जीभ	जिह्वा	मुँह के भीतर रहनेवाले लंबे चिपटे मासपिंड के आकार की वह इंद्रिय जिससे कटु, अम्ल, तिक्त इत्यादि रसों का अनुभव और शब्दों का उच्चारण होता है ।
जेठ	ज्येष्ठ	एक चांद्र मास जो बैशाख और असाढ़ के बीच में पड़ता है । जिस दिन इस मास की पूर्णिमा होती है उस दिन चंद्रमा ज्येष्ठा नक्षत्र में रहता है, इसी से इसे ज्येष्ठ या जेठ कहते हैं ।
जोग	योग	दो अथवा अधिक पदार्थों का एक में मिलना । उपाय । ध्यान ।
जोगी	योगिन्	वह जो योग करता हो ।
जोड़ा	युक्त	दो समान पदार्थ । एक ही सी दो चीजें ।
जोत	ज्योति	प्रकाश । उजाला । द्युति । अग्निशिखा । लपट । लौ ।
जौ	यव	चार पाँच महीने रहनेवाला एक पौधा जिसके बीज या दाने की गिनती अनाजों में है । भारत का यह एक प्राचीन धान्य और हविष्यान्न है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वाव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
झट	झटिति	उसी समय । तत्क्षण ।
झर	झरण	पानी गिराने का स्थान । निर्झर । झरना । सोता ।
झीना	क्षीण	बहुत महीन । पतला ।
झूठा	जुष्ट	जो वास्तविक स्थिति के विपरीत हो । जो सत्य न हो । मिथ्या । असत्य ।
टीका	तिलक	वह चिह्न जो उँगली में गीला चंदन, रोली, केस, मिट्टी आदि पोतकर मस्तक, बाहु आदि अंगों पर शृंगार आदि या सांप्रदायिक संकेत के लिये लगाया जाता है ।
टूटना	त्रोट्यति	किसी वस्तु का आधात, दबाव या झटके के द्वारा दो या कई भागों में एकबारगी विभक्त होना । टुकड़े टुकड़े होना । खंडित होना । भग्न होना ।
ठंडा	स्तब्ध	जिसमें उष्णता या गरमी का इतना अभाव हो कि उसका अनुभव शरीर को विशेष रूप से हो । शीतल । गरम का उलटा ।
डंक	दंश	बिछू, मधुमक्खी आदि कीड़ों के पीछे का जहरीला काँटा जिसे वे क्रोध में या अपने बचाव के लिये जीवों के शरीर में धूँसाते हैं ।
डंडा	दण्ड	लकड़ी या बाँस का सीधा लंबा टुकड़ा । लाठी ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
डसना	दंशन	किसी ऐसे कीड़े का दाँत से काटना जिसके दाँत में विष हो । साँप आदि जहरीले कीड़ों का काटना ।
डाइन	डाकिनी	भूतनी । चुढ़ैल । राक्षसी ।
दाह	दाह	जलन । ईर्ष्या । द्रेष । द्रोह ।
तपन	तप्त	तपने की क्रिया या भाव । ताप । जलन । आँच । दाह ।
तपसी	तपस्वी	तपस्या करनेवाला ।
तंबोली	ताम्बूलिक	जो पान बेचता हो । पान बेचनेवाला ।
ताँबा	ताप्र	लाल रंग की एक धातु जो खानों में गंधक, लोहे तथा और द्रव्यों के साथ मिली हुई मिलती है ।
तालाब	तडाग	जलाशय । सरोवर । पोखरा ।
ताव	ताप	वह गरमी जो किसी वस्तु को तपाने या पकाने के लिये पहुँचाई जाय ।
तिगुना	त्रिगुण	तीन बार अधिक । तीन गुना ।
तिनका	तृण	सूखी घास या डाँठी का टुकड़ा ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
तीखा	तीक्ष्ण	जसको धार या नोक बहुत तेज हो ।
तीन	त्रीणि	जो दो और एक हो । जो गिनती में चार से एक कम हो ।
तुम	त्वम्	'तू' शब्द का बहुवचन । वह सर्वनाम जिसका व्यवहार उस पुरुष के लिये होता है जिसके कुछ कहा जाता है । संबंध कारक को छोड़ शेष सब कराकों की विभक्तियों के साथ शब्द का यही रूप बना रहता है; जैसे, तुमने, तुमको, तुमसे, तुममें, तुमपर । संबंध कारक में 'तुम्हारा' होता है । शिष्टता के विचार से एकवचन के लिये भी बहुवचन 'तुम' का ही व्यवहार होता है । 'तू' का प्रयोग बहुत छोटों या बच्चों के लिये ही होता है ।
तुरंत	त्वरित	अत्यंत शीघ्र । तत्क्षण । झटपट । बिना विलंब के ।
तेरह	त्रयोदश	जो गिनती में दस से तीन अधिक हो । दस और तीन ।
तेरा	ते(तव)+रा	मध्यम पूरुष एकवचन की षष्ठी का सूचक सर्वनाम शब्द । मध्यम पुरुष एकवचन संबंध कारक सर्वनाम । तू का संबंध कारक रूप ।
तेल	तैल	वह चिकना तरल पदार्थ जो बीजों वनस्पतियों आदि से किसी विशेष क्रिया द्वारा निकाला जाता है अथवा आपसे आप निकलता है । यह सदा पानी से हलका होता है, उसमें घुल नहीं सकता ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
तोँद	तुन्द	पेट के आगे का बढ़ा हुआ भाग । पेट का फुलाव । मर्यादा से अधिक फूला या आगे की ओर बढ़ा हुआ पेट ।
त्योहार	तिथिवार	वह दिन जिसमें कोई बड़ा धार्मिक या जातीय उत्सव मनाया जाय । पर्व दिन ।
थन	स्तन	गाय, भैंस, बकरी इत्यादि चौपायों का स्तन ।
थल	स्थल	स्थान । ठिकाना ।
थान	स्थान	ठौर । ठिकाना ।
थामना	स्तम्भन	किसी चलती हुई वस्तु की रोकना । गती या वेग अवरुद्ध करना ।
थोड़ा	स्तोक	जो मात्रा या परिमाण में अधिक न हो । न्यून । अल्प । कम । तनिक ।
दच्छ	दक्ष	चतुर । कुशल ।
दबाना	दमन	ऊपर से भार रखना ।
दसवाँ	दशम	जिसका स्थान नौ और वस्तुओं के उपरांत पड़ता हो । जो क्रम में नौ और वस्तुओं के पीछे हो । गिनती के क्रम में जिसका स्थान दस पर हो ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
दही	दधि	खटाई के द्वारा जमाया हुआ दूध । वह दूध जो खटाई पड़ जाने के कारण जमकर जमकर थक्के के रूप में हो गया हो ।
दाई	धात्री	वह स्त्री जो बच्चे की देखरेख रखने या उसे खेलाने के लिये रखी जाय ।
दाख	द्राक्षा	अंगूर ।
दाढ़ी	दंष्ट्रिका	ठुङ्गी और दाढ़ पर के बाल ।
दाँत	दन्त	अंकुर के रूप में निकली हुई हड्डी जो जीवों के मुँह, तालू, गले ओर पेट में होती है और आहार चबाने, तोड़ने तथा आक्रमण करने, जमीन खोदने इत्यादि के काम में आती है ।
दातुन	दन्तधावन	नीम या बबूल आदि की काटी हुई छोटी टहनी जिसके एक सिरे को दाँतों से कुचलकर कूँची की तरह बनाते और उससे दाँत साफ करते हैं ।
दाद	ददु	एक चर्मरोग जिसमें शरीर पर उभरे हुए ऐसे चक्के पड़ जाते हैं जिनमें बहुत खुजली होती है ।
दाहिना	दक्षिण	उस पार्श्व का जिसके अंगों की पेशियों में अधिक बल होता है । उस ओर का जिस ओर के अंग काम करने में अधिक तप्तर होते हैं । 'बायाँ' का उलटा ।
दिसावर	देशान्तर	दूसरा देश । देशांतर । परदेश । विदेश ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
दीया	दीपक	उजाले के लिये जलाई हुई बत्ती । जलीत हुई बत्ती । चिराग ।
दीयासलाई	दीपशलाका	लकड़ी की छोटी सलाई या सीक जिसका एक सिरा रगड़ने से जल उठता है । आग जलाने की सीक या सलाई । विशेष—इन सलाइयों का एक सिरा फासफरस, पोटाशियम क्लोरेट आदि रगड़ खाकर जलर उठनेवाले पदार्थों में डुबाया रहता है ।
दीवाली	दीपावली	कार्तिक की अमावास्या को होनेवाला एक उत्सव जिसमें संध्या के समय घर में भीतर बाहर बहुत से दीपक जलाकर पक्कियों में रखे जाते हैं और लक्ष्मी का पूजन होता है ।
दुख	दुःख	ऐसा अवस्था जिससे छुटकारा पाने की इच्छा प्राणियों में स्वाभाविक हो । कष्ट । क्लेश । सुख का विपरीत भाव ।
दुगाना	द्विगुण	किसी वस्तु से उतना और अधिक जितनी कि वह हो । दुना ।
दुपट्टा	द्विपट्ट	ओढ़ने का वह कपड़ा जो दो पाटों को जोड़कर बना हो । दो पाट की चद्दर । चादर ।
दुपहरिया	द्वितीयप्रहर	मध्याह्न का समय । दोपहर ।
दुबला	दुर्बल	क्षीण शरीर का । जिसका बदन हलका और पतला हो । कृश । अशक्त ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
दूजा	द्वितीय	दूसरा । अन्य ।
दूध	दुध	श्रेत रंग का वह प्रसिद्ध तरल पदार्थ जो स्तनपायी जीवों की मादा के स्तनों में रहता है और जिससे उनके बच्चों का बहुत दिनों तक पोषण होता है । पय ।
दूना	द्विगुण	दुगुना । दो बार उतना ही ।
दूब	दूर्वा	एक प्रकार की प्रसिद्ध धास जो पश्चिमी पंजाव के थोड़े से बलुए भाग को छोड़कर समस्त भारत में और पाहाड़ों पर आठ हजार फुट की ऊँचाई तक बहुत अधिकता से होती है । हिंदू लोग इसका व्यवहार लक्ष्मी और गणेश आदि के पूजन में करते और इसे मंगलद्रव्य मानते हैं ।
दूल्हा	दुर्लभ	वह मनुष्य जिसका विवाह अभी हाल में हुआ हो या शीघ्र ही होने को हो । दुलहा । वर । पति । स्वामी । खाविंद ।
देखना	दृश	किसी वस्तु के अस्तित्व या उसके रूप, रंग आदि का ज्ञान नेत्रों द्वारा प्राप्त करना । अवलोकन करना ।
देवर	देवृ	पति का भाई (छोटा या बड़ा) ।
दोना	द्रोण	पत्तों का बना हुआ कटोरे के आकार का छोटा गहरा पात्र जिसमें खाने की चीजें आदि रखते हैं ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
दोहिता	दुहिता	पुत्री । लड़की । तनया ।
धतूरा	धत्तूर	दो तीन हाथ ऊँचा एक पौधा जिसके पत्ते सात आठ अंगुल तक लंबे और पाँच छह अंगुल चौड़े तथा कौनदार होते हैं । धतूरे के फूल फल शिव को चढ़ाए जाते हैं ।
धनिया	धन्याक	एक छोटा पौधा जिसके सुगंधित फल मसाले के काम में आते हैं ।
धन्नासेठ	धनश्रेष्ठिन्	बहुत धनी आदमी । प्रसिद्ध धनाढ़य । भारी मालदार ।
धरती	धरित्री	पृथ्वी ।
धान	धान्य	तृण जाति का एक पौधा जिसके बीज की गिनती अच्छे अन्नों में है । व्रीहि ।
धीरज	धैर्य	धीरता । चित्त की स्थिरता । संकट, बाधा, कठिनाई या विपत्ति आदि उपस्थित होने पर घबराहट का न होना ।
धुँआँ	धूम्र	सुलगती या जलती हुई चीजों से निकलकर हवा में मिलनेवाली भाप जो कोयले के सूक्ष्म अणुओं से लदी रहने के कारण कुछ नीलापन या कालापन लिए होती है ।
धुनि	ध्वनि	श्रवणेद्रिय में उत्पन्न संवेदन अथवा वह विषय जिसका ग्रहण श्रवणोद्रिय में हो । शब्द । नाद ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
धूल	धूलि	मिट्टी, रेत आदि का महीन चूर । रेणु । रज । गर्द ।
धोना	धावन	<p>पानी डालकर किसी वस्तु पर से मैल गर्द आदि हटाना । पानी से साफ करना । जल से स्वच्छ करना । प्रक्षालित करना । पखारना ।</p> <p>विशेष—जिस वस्तु पर से गर्द मैल आदि हटाई जाती है तथा जो लगी हुई वस्तू (गर्द मैल आदि) हटाई या छुड़ाई जाती है, दोनों का प्रयोग कर्म में होता है । जैसे, हाथ धोना, कपड़ा धोना, घर धोना, बरतन धोना । इसी प्रकार मैल धोना, कालिख धोना, रंग धोना इत्यादि । उ°—(क) जिन एहि बारि न मानस धोए । ते कायर कलिकाल विगोए ।—तुलसी (शब्ज°) । (ख) सूरदास हरि कुपा बारि सों कलिमल धोय बहावै ।—सूर (शब्द°) ।</p>
नखत	नक्षत्र	चंद्रमा के पथ में पड़नेवाले तारों का वह समूह या गुच्छ जिसका पहचान के लिये आकार निर्दिष्ट करके कोई नाम रखा गया हो ।
नंगा	नग्न	जिसके शरीर पर कोई वस्त्र न हो । जो कोई कपड़ा न पहने हो । दिगंबर । विवस्त्र । वस्त्रहीन ।
नंदोई	ननान्दृपति	ननद का पति । पति की बहन का पति । पति का बहनोई ।
नया	नव	जिसका संगठन, सृजन, आविष्कार या आविर्भाव बहुत हाल में हुआ हो ।
नरम	नम्र	कोमल । मृदु । अग्नि में लाल करके हवा में ठंडा किया हुआ लौह जो मुलायम हो जाता है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
नस	स्नायु	शरीर के भीतर तंतुओं का वह बंध या लच्छा जो पेशियों के छोर पर उन्हें दूसरी पेशियों या अस्थि आदि कड़े स्थानों से जोड़ने के लिये होता है । साधारण बोलचाल में कोई शरीर-तंतु या रक्तवाहिनी नहीं ।
नहाना	स्नान	पानी के स्रोत में, बहती हुई धार के नीचे या सिर पर से पानी ढालकर शरीर को स्वच्छ करने या उसकी शिथिलता दूर करने के लिये उसे धोना ।
नाई	नापित	नाऊ । नापति ।
नाक	नासिका	मुखमंडल की मांस-पोशियों और अस्थियों के उभार से बना हुआ लन के रूप का वह अवयव जिसके दोनों छेद मुखविवर और फुस्फुस से मिले रहते हैं और जिससे ग्राण का अनुभव और श्वास प्रश्वास का व्यापार होता है । सूँघने और साँस लेने की इंद्रिय ।
नाखून	नख	उँगलियों के छोर पर चिपटे किनारे वा नोक की तरह निकली हुई कड़ी वस्तु ।
नाच	नृत्य	वह उछल कूद जो चित्त की उमंग से हो । अंगों की वह गति जो हृदयोल्लास के कारण मनमानी अथवा संगीत के मेल में ताल स्वर के अनुसार और हावभाव युक्त हो
नाती	नप्त्री	बेटी या बेटे का बेटा ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
नारियल	नारिकेल	खजूर की जाति का एक पेड़ जिसके फल की गिरी खाई जाती है। नारियल गरम देशों में ही समुद्र का किनारा लिए हुए होता है।
नाव	नौका	लकड़ी लोहे आदि की बनी हुई जल के ऊपर तैरने या चलनेवाली सवारी। जलयान।
निगलना	निगलन	लील जाना। गले के नीचे उतार देना। घोंट जाना। गटक जाना। खा जाना।
निठुर	निष्टुर	कठोरहृदय। जिसे दुसरे की पीड़ा का अनुभव न हो। जो पराया कष्ट न समझे। निर्दय। क्रुर।
निबाह	निर्वाह	रहन। कालक्षेप। किसी स्थिति के बीच जीवन व्यतीत करने का कार्य।
नींद	निद्रा	जीवन की एक नित्यप्रति होनेवाली अवस्था जिसमें चेतन क्रियाएँ रुकी रहती हैं और शरीर और अंतःकरण दोनों विश्राम करते हैं। निद्रा। स्वप्न। सोने की अवस्था। वि॰ दे॰ 'निद्रा'। उ॰—(क) कीन्हेसि भूँख नींद बिसरामा।—जायसी (शब्द॰)। (ख) जो करि कष्ट जाइ पुनि कोई। जातहि नींद जुड़ाई होई।—तुलसी (शब्द॰)।
नीबू	निम्बूक	मध्यम आकार का एक पेड़ या झाड़ जिसका फल भी नीबू कहा जाता और खाया जाता है और जो पृथ्वी के गरम प्रदेशों में होता है। फल गोल या

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
		लंबोतरे तथा सुगंधयुक्त होते हैं। साधारण नीबू स्वाद में खट्टे होते हैं और खटाई के लिये ही खाए जाते हैं। मीठे नीबू भी कई प्रकार के होते हैं।
नीम	निष्ठ	पत्ती झाड़नेवाला एक प्रसिद्ध पेड़ जिसके सब अंग कड़वे होते हैं।
नेम	नियम	ऐसी बात जो टलती न हो, बराबर होती हो। रीति।
नेवला	नकुल	चार पैरों से जमीन पर रेंगनेवाला हाथ सवा हाथ लंबा और ४-५ अगुल चौड़ा मांसाहारी पिंडज जंतु। विशेष— यह जंतु देखने में गिलहरी के आकार का पर उससे बड़ा और सूरे रंग का होता है। पूँछ इसकी बहुत लंबी और रोयों से फूली हुई होती है। मुँह इसका चूहै, गिलहरी आदि की तरह आगे की ओर नुकीला होता है। दाँत इसके बहुत पैने होते हैं। टीलों, पुराने घरों, नदी के कगारों आदि में बिल खोदकर प्रायः नर मादा साथ रहते हैं। वसंत ऋतु में मादा दौ या तीन बच्चे देती है जो बहुत दिनों तक उसके पीछे पीछे घूमा करते हैं। नेवला भारतवर्ष में ही पाया जाता है यद्यपि इसकी जाति के और दूसरे जंतु अफ्रिका, अमेरिका आदि के गरम स्थानों में मिलते हैं। नेवले प्रायः चूहों तथा और छोटे जंतुओं को खाकर रहते हैं। साँप को मारने में ये बहुत प्रसिद्ध हैं। बड़े से बड़े सर्प को ये अपनी फुरती से खंड खंड कर डालते हैं। लोग इन्हें पालते भी हैं। पालने पर ये इतने परच जाते हैं कि पीछे पीछे दौड़ते हैं।
नेह	स्नेह	स्नेह। प्रेम। प्रीति। प्यार।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
नैन	नयन	चक्षु । नेत्र । आँख ।
नोचना	लुज्जन	किसी जमी या लगी हुई वस्तु को झटके से खींचकर अलग करना । उखाड़ना ।
नोन	लवण	नमक ।
नौ	नव	जो गिनती में आठ और एक हो । एक कम दस ।
न्योता	निमन्त्रण	किसी रीति, आनंद उत्सव आदि में संमिलित होने के लिये इष्ट मित्र, बंधु बाँधव आदि का आहान । बुलावा ।
पकवान	पक्वान्न	धी में तलकर बनाई हुई खाने की वस्तु । जैसे, पूरी, कचौरी आदि ।
पक्का	पक्व	अनाज या फल जो पुष्ट होकर खाने के योग्य हो गया हो । जो कच्चा न हो । पका हुआ ।
पंख	पक्ष	वह अवयव जिससे चिड़िया, फतिंगे आदि हवा में उड़ते हैं ।
पंगत	पङ्क्ति	ऐसा समूह जिसमें बहुत सी (विशेषतः एक ही या एक ही प्रकार की) वस्तुएँ एक दूसरे के उपरांत एक सीध में हों । श्रेणी । पाँती ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पछतावा	पश्चात्ताप	वह संताप या दुःख जो की हुई बात पर पीछे से हो । अपने किए को बुरा समझने से होनेवाला रंज ।
पंछी	पक्षी	चिड़िया । पक्षी ।
पड़ोसी	प्रतिवेशी	वह मनुष्य जिसका घर पड़ोस अपने घर के पास हो ।
	प्रतिवासी	
पतला	पात्र	जिसका धेरा, लपेट अथवा चौड़ाई कम हो । जो मोटा न हो ।
पतोहू	पुत्रवधू	बेटे की पत्नि ।
पत्ता	पत्र	पेड़ या पौधे के शरीर का वह हरे रंग का फैला हुआ अवयव जो कांड या टहनी से निकलता है और थोड़े दिनों के पीछे बदल जाता है ।
पत्थर	प्रस्तर	पृथकी के कड़े स्तर का पिंड या खंड ।
पंथ	पथ	मार्ग ।
पंसारी	पण्यशाला	हलदी, धनिया आदि मसाले तथा दवा के लिये जड़ी बूटी बेचनेवाला बनिया ।
पंदरह	पञ्चदश	जो संख्या में दस और पाँच हो ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पन्ना	पर्ण	पिरोजे की जाति का हरे रंग का एक रत्न जो प्रायः स्लेट और ग्रेनाइट की खानों से निकलता है ।
पर	उपरि	परलोक । दूसरा । अन्य । और । अपने को छोड़ शेष । स्वातिरिक्त ।
परकोटा	परिकूट	नगर या दुर्ग के फाटक पर की खाई ।
परख	परीक्षा	गुणदोष स्थिर करने के लिये अच्छी तरह देखभाल । जाँच ।
परगट	प्रकट	जो सामने आया हो । जो प्रत्यक्ष हुआ हो ।
परछाई	प्रतिच्छाया	प्रकाश के मार्ग में पड़नेवाले किसी पिंड का आकार जो प्रकाश से भिन्न दिशा की ओर छाया या अंधकार के रूप में पड़ता है । किसी वस्तु की आकृति के अनुरूप छाया जो प्रकाश के अवरोध के कारण पड़ती है । छायाकृति ।
परनाला	प्रणाल	वह मार्ग जिससे घर में का मल या पानी बहकर बाहर निकलता है । पनाला । नाबदान । मोरी ।
परपोता	प्रपौत्र	पोते का बेटा । पुत्र के पुत्र का पुत्र ।
परमारथ	परमार्थ	उत्कृष्ट पदार्थ । सबसे बढ़कर वस्तु ।
परस	स्पर्श	छूना । छूने की क्रिया या भाव ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
परसों	परश्वः	गत दिन से पहले दिन । बीते हुए कल से एक दिन पहले ।
पराँठा	पर्पट	धी लगाकर तवे पर सेंकी हुई चपाती ।
परिच्छा	परीक्षा	'परीक्षा' ।
परिवा	प्रतिपदा	किसी पक्ष की पहली तिथी । द्वितीया के पहले पड़नेवाली तिथी । अमावस्या या पूर्णिमा के दूसरे दिन की तिथी । पड़िवा ।
पलंग	पल्यङ्क	अच्छी चारपाई । अच्छे गोड़े, पाटी और बुनावट की चारपाई । अधिक लंबी चौड़ी चारपाई । पर्यक । पल्यंक । खाट ।
पलड़ा	पटल	तराजू का पल्ला । तुलापट ।
पल्ला	पल्लव	किसी कपड़े का छोर । आँचल । दामन ।
पसारना	प्रसारण	फैलाना । आगे की ओर बढ़ाना । विस्तार करना ।
पसीना	प्रस्वेद	शरीर में मिला हुआ जल जो अधिक परिश्रम करने अथवा गरमी लगने पर सारे शरीर से निकलने लगता है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	यह ज्ञान कि यह वही व्यक्ति या वस्तु विशेष है जिसे मैं पहले से जानता हूँ । देखने पर यह जान लेने की क्रिया या भाव कि यह अमुक व्यक्ति या वस्तु है ।
पहनावा	परिधान	ऊपर पहनने के मुख्य मुख्य कपड़े । सिले या बिना सिले सब कपड़े जो ऊपर पहने जायँ । पोशाक ।
पहर	प्रहर	एक दिन का चतुर्थांश । अहोरात्र का आठवाँ भाग । तीन घंटे का समय ।
पहरेदार	प्रहरी	पहरा देनेवाला संतरी ।
पहला	प्रथम	जो क्रम के विचार से आदि में हो । किसी क्रम (देश या काल) में प्रथम गणना में एक के स्थान पर पड़नेवाला । एक की संख्या का पूरक ।
पहुँच	प्रभूत	किसी स्थान तक गति । किसी स्थान तक अपने को ले जाने की क्रिया या शक्ति ।
पहेली	प्रहेलिका	ऐसा वाक्य जिसमें किसी वस्तु का लक्षण घुमा फिराकर अथवा किसी भ्रामक रूप में दिया गया हो और उसी लक्षण के सहारे उसे बूझने अथवा उसका नाम बताने का प्रस्ताव हो ।
पाँच	पञ्च	जो गिनती में चार और एक हो । जो तीन और दो हो । चार से एक अधिक ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पाटी	पट्टिका	लकड़ी की वह प्रायः लंबोतरी पट्टी जिसपर विद्यारंभ करनेवाले पाठ लेते या लिखने का अभ्यास करते हैं ।
पाना	प्रापण	अपने पास या अधिकार में करना । ऐसी स्थिति में करना जिससे अपने उपयोग या व्यवहार में आ सके । उपलब्ध करना । लाभ करना । प्राप्त करना ।
पानी	पानीय	एक प्रसिद्ध द्रव जो पारदर्शक, निर्गंध और स्वादरहित होता है । स्थावर और जंगभ सब प्रकार की जीवसृष्टि के लिये इसकी अनिवार्य आवश्यकता है । वायु की तरह इसके अभाव में भी कोई जीवधारी जीवित नहीं रह सकता । इसी से इसका एक पर्याय 'जीवन' है ।
पापड़	पर्षट	उर्द अथवा मूँग की धोई के आटे से बनाई हुई मसालेदार पतली चपाती ।
पाँव	पाद	वह अंग जिससे चलते हैं । पैर ।
पास	पार्श्व	बगल । ओर । सामीप्य । निकटता । समीपता ।
पाहन	पाषाण	पत्थर । प्रस्तर ।
पिटारा	पिटक	बाँस, बेत, मूँज आदि के नरम छिलकों से बना हुआ एक प्रकार का बड़ा संपुट या ढकनेदार पात्र ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पिता	पितृ	जन्म देकर पालनपोषण करनेवाला । बाप । जनक ।
पिया	प्रिय	'पिय' ।
पीछे	पश्चात्	पीठ की ओर । जिधर मुँह हो उसकी विरुद्ध दिशा में । आगे या सामने का उलटा ।
पीठ	पृष्ठ	लकड़ी, पत्थर या धातु का बना हुआ बैठने का आधार या आसन । पीढ़ा । चौकी ।
पीढ़ी	पीठिका	किसी विशेष कुल की परंपरा में किसी विशेष व्यक्ति की संतति का क्रमागत स्थान ।
पीपल	पिप्पल	बरगद की जाति का एक सिद्ध वृक्ष जो भारत में प्रायः सभी स्थानों पर अधिकता से पाया जाता है ।
पीला	पीत	हलदी, सोने या केसर के रंग का (पदार्थ) । जिसका रंग पीला हो । पीतवर्ण ।
पुजारी	पूजा+कारी	पुजा करनेवाला । जो पूजा करता हो । किसी देवमुर्ति की नियमित रूप से सेवा शुश्रूषा करनेवाला व्यक्ति ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पुतली	पुत्तल	लकड़ी, मिट्टी, धातु, कपड़े आदि की बनी हुई स्त्री की आकृति या मूर्ति विशेषतः वह जो विनोद या क्रीड़ा (खेल) के लिये हो । गुड़िया ।
पूँछ	पुच्छ	मनुष्य से भिन्न प्राणियों के शरीर का वह गावदुमा भाग जो गुदा मार्ग के ऊपर रीढ़ की हड्डी की संधि में या उससे निकलकर नीचे की ओर कुछ दूर तक लंबा चला जाता है । जंतुओं, पक्षियों, कीड़ों आदि के शरीर में सिर से आरंभ मानकर सबसे अंतिम या पिछला भाग । दुम ।
पूत	पुत्र	बेटा । लड़का ।
पूनो	पूर्णिमा	शुक्ल पक्ष की पंद्रहवीं या चांद्रमास की अंतिम तिथि ।
पूरब	पूर्व	वह दिशा जिसमें सूर्य का उदय होता है । मध्याह्न से पहले सूर्य की ओर मुँह करने पर सामने पड़नेवाली दिशा । पश्चिम के विरुद्ध दिशा । प्राची ।
पूरा	पूर्ण	जो खाली न हो । भरा । परिपूर्ण ।
पूस	पौष	हेमंत ऋतु का दूसरा चांद्रमास जिसकी पूर्णमासी तिथि को पुष्य नक्षत्र पड़ता है । अगहन के बाद और माघ के पहले का महीना ।
पैर	पद+दण्ड	वह अंग या अवयव जिसपर खड़े होने पर शरीर का सारा भार रहता है और जिससे प्राणी चलते फिरते हैं ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
पोखर	पुष्कर	तालाब ।
पोता	पौत्र	बेटे का बेटा । पुत्र का पुत्र ।
पोथी	पुस्तिका	पुस्तकः ।
पैना	पादोन	पैन का पहाड़ा (गुणा करने का सारणी) ।
प्यास	पिपासा	मुँह और गले के सूखने से होनेवाली वह अनुभूति जो शरीर के जलीय पदार्थ के कम हो जाने पर होती है । जल पीने की इच्छा । तृष्णा । तृष्णा ।
प्रगट	प्रकट	जो सामने आया हो । जो प्रत्यक्ष हुआ हो ।
फंदा	पाश	रस्सी या बाल आदि की बनी हुई फँस । रस्सी, तागे आदि का घेरा जो किसी को फँसाने के लिये बनाया गया हो ।
फरसा	परशु	पौनी और चौड़ी धार की एक प्रकार की कुल्हाड़ी । यह प्राचीन काल में युद्ध में काम आती थी ।
फागुन	फाल्गुन	शिशिर ऋतु का दूसरा महीना । माघ के बाद का महीना । फाल्गुन ।
फँसी	पाशिका	फँसाने का फंदा । पाश ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
फिटकिरी	स्फटिक	एक मिश्र खनिज पदार्थ जो सलफेट आफ पोटाशियम और सलफेट आफ अलुमीनियम के मिलकर पानी में जमने से बनता है ।
फुर्ती	स्फूर्ति	कोई काम करने के लिये मन में उत्पन्न होनेवाली हल्की उत्तेजना ।
फूटना	स्फुटन	खरी या करारी वस्तुओं का दबाव या आधात पाकर टूटना । खरी वस्तुओं का खंड खंड होना । भग्न होना । करकना । दरकना । जैसे, घड़ा फूटना, चिमनी फूटना, रेवड़ी फूटना, बताशा फूटना, पत्थर फूटना ।
फूल	फुल्ल	गर्भाधानवाले पौधों में वह ग्रन्थि जिसमें फल उत्पन्न करने की शक्ति होती है और जिसे उदिभदों की जननेद्वय कह सकते हैं । पुष्प । कुसुम । सुमन ।
फोड़ा	स्फोटक	एक प्रकार का उभार जो शरीर में कहीं पर कोई दोष संचित होने से उत्पन्न होता है तथा जिसमें जलन और पीड़ा होती है तथा रक्त सङ्करण के रूप में हो जाता है ।
बकरा	बर्कर	एक प्रसिद्ध चतुष्पाद पशु । अज । इस पशु के सींग तिकोने, गठीले और ऐंठनदार तथा पीठ की ओर झुके हुए होते हैं, पूँछ छोटी होती है, शरीर से एक प्रकार की गंध आती है और खुर फटे होते हैं ।
बखान	व्याख्यान	वर्णन । कथन ।
बगुला	वक	बगला नाम का पक्षी ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बच्चा	वत्स	किसी प्राणी का नवजात ओर असहाय शिशु । जैसे, गाय का बच्चा, हाथी का बच्चा, मुर्गी का बच्चा इत्यादि ।
बछड़ा	वत्स	गाय का बच्चा ।
बजरंग	वज्राङ्ग	बज्र के समान दृढ़ शरीरवाला । हनुमान ।
बड़	वट	बरगद का पेड़ ।
बढ़ई	वर्धकि	काठ को छीलकर और गढ़कर अनेक प्रकार के समान बनानेवाला । लकड़ी का काम करनेवाला ।
बत्तक	बक	हंस की जाति की पानी की एक चिड़िया ।
बत्ती	वर्तिका	सूत, रूई, कपड़े आदी की पतली छड़ । सलाई या चौड़े फीते के आकार का टुकड़ा जो बट या बुनकर बनाया जाता है और जिसे तेल में डालकर दीप जलाते हैं । चिराग जलाने के लिये रूई या सूत का बटा हुआ लच्छा ।
बंदर	वानर	एक प्रसिद्ध स्तनपायी चौपाया जो अनेक बातों में मनुष्य से बहुत कुछ मिलता जुलता होता है । कपि । मर्कट । वलीमुख । शाखामृग ।
बन	वन	जंगल । अरण्य ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बनारस	वाराणसी	काशी । वाराणसी ।
बनिया	वणिक	व्यापार करनेवाला व्यक्ति । व्यापारी । वैश्य । आटा, दाल चावल आदि बेचनेवाला मोदी ।
बरगद	वट	बड़ का पेड़ । पीपल, गूलर आदि की जाति का एक प्रसिद्ध बड़ा वृक्ष जो प्रायः सारे भारत में बहुत अधिकता से पाया जाता है ।
बरन	वर्ण	रंग ।
बरस	वर्ष	बारह महीनों अथवा ३६५ दिनों का समूह ।
बरसना	वर्षण	आकाश से जल की बूँदों का निरंतर गिरना । वर्षा का जल गिरना । मेह पड़ना ।
बरसात	वर्षा	पानी बरसने के दिन । सावन भादों के दिन जब खूब वर्षा होती है । वर्षाकाल । वर्षात्रितु ।
बरात	वरयात्रा	विवाह के समय वर के साथ कन्यापक्षवालों के यहाँ जानेवाले लोगों का समूह, जिसमें शोभा के लिये बाजे, हाथी, घोड़े, ऊँट या फुलवारी आदि भी रहती है ।
बसेरा	वासगृह	बसनेवाला । रहनेवाला ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बहनोई	भगिनीपति	बहिन का पति ।
बहरा	बधिर	जो कान से सुन न सके । न सुननेवाला । जिसे श्रवण शक्ति न हो ।
बहिन	भगिनी	वह लड़की या स्त्री जिसके साथ एक ही माता पिता से उत्पन्न होने का संबंध हो ।
बहू	वधू	पुत्रवधू । पतोहू ।
बाघ	व्याघ्र	शेर नाम का प्रसिद्ध हिंसक जतु ।
बाजा	वाघ	कोई ऐसा यंत्र जो गाने के साथ यों ही, स्वर (विशेषतः राग रागिनी) उत्पन्न करने अथवा ताल देने के लिये बजाया जाता हो । बजाने का यंत्र । वाघ ।
बाँझा	वन्ध्या	वह स्त्री जिसे संतान होती ही न हो । कोई मादा जिसे बच्चा न होता हो ।
बात	वार्ता	सार्थक शब्द या वाक्य । किसी वृत्त या विषय को सूवत करनेवाला शब्द या वाक्य । कथन । वचन । बाणी । वोल ।
बादल	वारिद	पृथकी पर के जल (समुद्र, झील, नदी आदि के) से उठी हुई वह भाप जो घनी होकर आकाश में छा जाती है और फिर पानी की बूँदों के रूप में गिरती है । मेघ । घन ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बाँध	बन्ध	नदी या जलाशय आदि के किनारे मिट्टी, पत्थर आदि का बनाया हुआ धुस्स। यह पानी की बाढ़ आदि को रोकने के लिये बनाया जाता है।
बाँधना	बन्धन	रस्सी, तागे, कपड़े आदि की सहायता से किसी पदार्थ को बंधन में करना। रस्सी, डोरे आदि की लपेट में इस प्रकार दबा रखना कि कहीं इधर उधर न हो सके।
बानी	वाणी	वचन। मुँह से निकला हुआ शब्द।
बाप	वप्ता	पिता। जनक।
बायाँ	वाम	किसी मनुष्य या और प्राणी के शरीर के उस पार्श्व में पड़नेवाला जो उसके पूर्वाभिमुख खड़े होने पर उत्तर की ओर ही।
बारह	द्वादश	जो संख्या में दस और दा हो।
बारात	वरयात्रा	किसी के विवाह में उसके घर के लोगों, संबंधियों, इष्टमित्रों का मिलकर वधू के घर जाना।
बालू	बालुका	पत्थर या चट्टानों आदि का बहुत ही महीन चूर्ण या कण जो वर्षा के जल आदि के साथ पहाड़ों पर से बह आता और नदियों के किनारों आदि पर अथवा ऊपर जमीन या रेगिस्तानों में बहुत अधिक पाया जाता है। रेणुका।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बावला	वातुल	जिसे वायु का प्रकोप हो । पागल । विक्षिप्त । सनकी ।
बाँस	वंश	तृण जाति की एक प्रसिद्ध वनस्पति जिसके कांडों में थोड़ी थोड़ी दूर पर गाँठें होती हैं और गाँठों के बीच का स्थान प्रायः कुछ पोला होता है ।
बाँसुरी	वंशी	बाँस का बना हुआ प्रसिद्ध बाजा जो मुँह से फूँककर बजाया जाता है । मुरली । वंशी ।
बाँह	बाहु	कंधे से निकलकर दंड के रूप में गया हुआ अंग जिसके छोर पर हथेली या पंजा लगा होता है । भुजा । हाथ ।
बाहर	बाह्य	स्थान, पद, अवस्था या संबंध आदि के विचार से किसी निश्चित अथवा कल्पित सीमा (या मर्यादा) से हटकर, अलग या निकला हुआ । भीतर या अंदर का उलटा ।
बिकना	विक्रयण	किसी पदार्थ का द्रव्य लेकर दिया जाना । मूल्य लेकर दिया जाना । बेचा जाना । बिक्री होना ।
बिगड़	विकार	बिगड़ने की क्रिया या भाव । बुराई । दोष ।
बिछू	वृश्चिक	आठ पैर और दो सूँड़वाला एक प्रसिद्ध छोटा जहरीला जानवर ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
बिजली	विद्युत्	एक प्रसिद्ध शक्ति जिसके कारण वस्तुओं में आकर्षण और अपकर्ण होता है और जिससे कभी कभी ताप और प्रकाश भी उत्पन्न होता है ।
बिनती	विनति	प्रार्थना । निवेदन ।
बीट	विष्टा	पक्षियों की विष्टा । चिड़ियों का गुह । मल ।
बीता	व्यतीत	गत
बीस	विंशति	जो संख्या में दस का दूना और उन्नीस से एक अधिक हो ।
बूआ	पितृश्वसा	पिती की बहन । फूफी ।
बुरा	विरूप	जो अच्छा या उत्तम न हो । निकृष्ट । मंदा ।
बूढ़ा	वृद्ध	बढ़ा हुआ । पूर्णतः बढ़ा हुआ । अधिक अवस्था का । बड़ा ।
बूँद	बिन्दु	जल या और किसी तरल पदार्थ का वह बहुत ही छोटा अंश जो गिरने आदि के समय प्रायः छोटी सी गोली या दाने आदि का रूप धारण कर लेता है ।
बेल	बिल्व	मझोले आकार का एक प्रसिद्ध कैटीला वृक्ष जो प्रायः सारे भारत में पाया जाता है । श्रीफल । इसकी लकड़ी भारी और मजबूत होती है । और प्रायः खेती के औजार बनाने और इमारत के काम में आती है । इससे ऊख पेरने

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
		के कोल्हू और मूसल आदि भी अच्छे बनते हैं। इसकी ताजी गीली लकड़ी चंदन की तरह पवित्र मानी जाती है और उसे चीरने से एक प्रकार की सुगंध निकलती है। इसमें सफेद रंग के सुगंधित फूल भी होते हैं। इसकी पत्तियाँ एक सीके में तीन तीन (एक सामने और दो दोनों ओर) होती हैं जिन्हें हिंदु लोग महादेव जी पर चढ़ाते हैं।
बैर	वैर	किसी के साथ ऐसा संबंध जिससे उसे हानि पहुँचाने की प्रवृत्ति हो और उससे हानि पहुँचने का डर हो। अनिष्ट संबंध। शत्रुता। विरोध।
बैल	बलीवर्द	चौपाया जिसकी मादा को गाय कहते हैं। यह चौपाया बड़ा मेहनती और बोझा उठानेवाला होता है। यह हल में जोता जाता है और गाड़ियों को खींचता है।
बौना	वामन	बहुत छोटे डोल का मनुष्य। बहुत छोटा आदमी जो देखने में लड़के के समान जान पड़े, पर हो पूरी अवस्था का। अत्यंत ठिगना या नाटा मनुष्य।
ब्याह	विवाह	देश, काल और जाति के नियमानुसार वह रिति या रस्म जिसमें स्त्री और पुरुष में पति पत्नी का संबंध स्थापित होता है।
भगत	भक्त	सेवक। उपासक।
भतीजा	भ्रातृज	भाई का पुत्र। भाई का लड़का।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
भतीजी	भ्रातृजा	भाई का पुत्री । भाई का लड़की ।
भभूत	विभूति	वह भस्म जो शिव जी लगाया करते थे । भस्म ।
भला	भद्र	जो अच्छा हो । उत्तम । श्रेष्ठ ।
भाई	भ्रातृ	किसी व्यक्ति के माता पिता से उत्पन्न दूसरा पुरुष ।
भादोँ	भाद्रपद	एक महीने का नाम जो वर्षा ऋतु में पड़ता है । इस महीने की पूर्णमासी के दिन चंद्रमा भाद्रपदा नक्षत्र में रहता है । सावन के बाद और कुआर के पहले का महीना ।
भानजा	भागिनेय	बहिन का लड़का ।
भाप	वाष्प	पानी के बहुत छोटे छोटे कण जो उसके खौलने की दशा में ऊपर को उठते दिखाई पड़ते हैं और ठंडक पाकर कुहरै आदि का रूप धारण करते हैं ।
भाभी	भ्रातृभार्या	बड़े भाई की स्त्री । भोजाई ।
भालू	भल्लुक	एक प्रसिद्ध स्तनपायी भीषण चौपाया जो प्रायः सारे संसार के बड़े बड़े जंगलों और पहाड़ों में पाया जाता है । रीछ ।
भिखारी	भिक्षुक	भीख माँगनेवाला व्यक्ति । भिखमंग । जिसके पास कुछ न हो । कंगाल ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
भीख	भिक्षा	किसी दरिद्र का दीनता दिखाते हुए उदरपूर्ति के लिये कुछ माँगना ।
भीत	भित्ति	दीवार । विभाग करनेवाला परदा ।
भीतर	अभ्यन्तर	अंदर में
भूख	बुभुक्षा	वह शारीरिक वेग जिसमें भोजन की इच्छा होता है । खाने की इच्छा ।
भूखा	बुभुक्षित	जिसे भोजन की प्रबल इच्छा हो जिसे भूख लगी हो ।
भूलना	विस्मरण	याद न रखना । ध्यान न रखना ।
भैस	महिषी	गाय की जाति और आकार प्रकार का पर उससे बड़ा चौपाया (मादा) जिसे लोग दूध के लिये पालते हैं ।
भौं	भू	आँख के ऊपर के बालों की श्रेणी । भूकुटी ।
भौजाई	भ्रातृजाया	भाई की भार्या । भाभी ।
भौंरा	भ्रमर	काले रंग का उड़नेवाला एक पतंगा जो गोबरैले के बराबर होता है और देखने में बहुत द्वंद्वांग प्रतीत होता है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
मकड़ी	मर्कटक	एक प्रकार का प्रसिद्ध कीड़ा जिसकी सैकड़ों हजारों जातियाँ होती हैं और जो प्रायः सारे संसार में पाया जाता है। इसका शरीर दो भागों में विभक्त हो सकता है। एक भाग में सिर और छाती तथा दूसरे भाग में पेट होता है। मकड़ी प्रायः घरों में रहती है और अपने उदर से एक प्रकार का तरल पदार्थ निकालकर उसके तार से घर के कोनों आदि में जाल बनाती है जिसे जाल या झाला कहते हैं। उसी जाल में यह मक्खियाँ तथा दूसरे छोटे छोटे कीड़े फँसाकर खाती है।
मक्खन	मन्थज	दूध में की, विशेषतः गौ या भैस के दूध में की, वह चरबी या सार भाग जो दही या मठे को महने पर अथवा और कुछ विशेष क्रियाओं से निकाला जाता है और जिसके तपाने से धी बनता है। नवनीत।
मक्खी	मक्षिका	एक प्रसिद्ध छोटा कीड़ा जो प्रायः सारे संसार में पाया जाता है और जो साधारणतः घरों और मैदानों में सब जगह उड़ता फिरता है। मक्खी के छह पैर और दो पर होते हैं। प्रायः यह कूड़े कतवार और सड़े गले पदार्थों पर बैठती है, उन्हीं को खाती और उन्हीं पर बहुत से अंडे देती है।
मगर	मकर	घड़ियाल नामक प्रसिद्ध जलजंतु।
मच्छड़	मशक	एक प्रसिद्ध छोटा पतिंगा।
मछली	मत्स्य	सदा जल में रहनेवाला एक प्रसिद्ध जीव। मीन।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
मणिहार	मणिकार	जौहरी
मतवाला	मत्त+वाला	नशे आदि के कारण मस्त । नशे में चूर । उन्मत्त । पागल ।
मद	मद्य	हर्ष । आनंद । वह गंधयुक्त द्राव जो मतवाले हाथियों की कनपटियों से बहता है । कस्तूरी ।
मरघट	मृत्युघट्ट	वह घाट या स्थान जहाँ मुर्दे फूंके जाते हैं । मुर्दों को जलाने की जगह । स्मशान घाट । मसान ।
मरना	मरण	प्राणियों या वनस्पितियों के शरीर में ऐसा विकार होना जिससे उनकी सब शारीरिक क्रियाएं बंद हा जायें । मृत्यु को प्राप्त होना ।
मसहरी	मशकहरी	पलंग के ऊपर और चारों ओर लटकाया जानेवाला वह जालीदार कपड़ा जिसका उपयोग मच्छड़ों आदि से बचने के लिये होता है ।
मसान	श्मशान	वह स्थान जहाँ मुरदे जलाए जाते हों । मरघर ।
महँगा	महार्घ	जिसका मूल्य साधारण या उचित की अपेक्षा अधिक हो । अधिक मूल्य पर बिकनेवाला ।
महावत	महामात्र	हाथी हँकनेवाला । हाथीवान ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
माँ	मातृ	जन्म देनेवाली स्त्री । जननी ।
माता	मातृ	जन्म देनेवाली स्त्री । जननी ।
माथा	मस्तक	सिर का ऊपरी भाग ।
मानुष	मनुष्य	मनुष्य संबंधी । मनुष्य का ।
मामा	मातुल	माता का भाई । माँ का भाई ।
माह	मास	मास । महीना ।
मिट्टी	मृत्तिका	पृथ्वी । भूमि । वह भुरसुरा पदार्थ जो पृथ्वी के ठोस विभाग अथवा स्थल में साधारणतः सब जगह पाया जाता है और जो ऊपरी तल की प्रधान वस्तु है खाक । धूल ।
मिठाई	मिष्ठान्न	मीठा होने का भाव । मिठास । माधुरी ।
मिर्च	मरिच	कुछ प्रसिद्ध तिक्त फलों और फलियों का एक वर्ग जिसके अंतर्गत काली मिर्च, लाल मिर्च और उनकी कई जातियाँ हैं । इस वर्ग की एक प्रसिद्ध तिक्त फली जिसका व्यवहार प्रायः से संसार में व्यंजनों में मसाले के रूप में होता है और जिसे प्रायः लाल मिर्च और कहीं कहीं मिरचा, मरिचा या मिरचाई भी कहते हैं ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
मीठा	मिष्ट	जो स्वाद में मधुर और प्रिय हो । चीनी या शहद आदि के स्वादवाला । 'खट्टा' या 'नमकीन' का उलटा । मधुर ।
मीत	मित्र	वह जो सब बातों में अपना साथी सहायक, समर्थक और शुभचिंतक हो । सब प्रकार से अपने अनुरूप रहनेवाला और अपना हित चाहनेवाला । शत्रु या विरोधी का उलटा । बंधु । सखा । सुहृद ।
मुखिया	मुख्य+इया	नेता । प्रधान । सरदार । वह जो किसी काम में सब से आगे हो । किसी काम को सब से पहले करनेवाला । अगुआ ।
मुट्ठी	मुष्टि	उँगलियों को मोड़कर बाँधी हुई हथेली ।
मुँह	मुख	प्राणी का वह अंग जिससे वह बोलता और भोजन करता है । मुखविवर ।
मूँग	मुद्र	एक अन्न जिसकी दाल बनती है ।
मूँछ	श्मश्रु	ऊपरी ओंठ के ऊपर के बाल जो केवल पुरुषों के उगते हैं । ये बाल पुरुषत्व का विशेष चिन्ह माने जाते हैं ।
मूत	मूत्र	वह जल जो शरीर के विषैले पदार्थों को लेकर प्राणियों के उपस्य मार्ग से निकलता है ।
मूर्ख	मूढ़	नासमझ । अनपढ़ ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
मूसल	मुषल	धान कूटने का औजार जो लंबा, मोटा डंडा सा होता है और जिसके मध्य भाग में पकड़ने के लिये खड्डा सा होता है और छोर पर लोहे की साम जड़ी रहती है।
मूसा	मूषक	चूहा।
मेह	मेघ	बादल। २. वर्षा। झड़ी।
मैं	मया	सर्वनाम उत्तम पुरुष में कर्ता का रूप। स्वयं।
मैल	मल	धूल, किट्ठ आदि जिसके पड़ने या जमने से किसी वस्तु की शोभा या चमक नष्ट हो जाती है।
मोती	मौक्तिक	एक प्रसिद्ध बहुमूल्य रत्न जो छिले समुद्रों में अथवा रेतीले तटों के पास सीपी में से निकलता है।
मोर	मयूर	एक अत्यंत सुंदर बड़ा पक्षी। मयूर।
मोल	मूल्य	वह धन जो किसी वस्तु के बदले में बेचनेवाले की दिया जाय।
मौत	मृत्यु	मरने का भाव। मरण।
मौसी	मातृष्वसा	माता की बहिन। मासी।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
यह	एषः	निकट की वस्तु का निर्देश करनेवाला एक सर्वानाम, जिसका, प्रयोग वक्ता और श्रोता को छोड़कर और सब मनुष्यों, जीवों तथा पदार्थों आदि के लिये होता है।
यहाँ	इह	इस स्थान में। इस जगह पर।
रखना	रक्षण	किसी वस्तु पर या किसी वस्तु के अंदर दूसरी वस्तु स्थित करना। ठहराना। टिकाना। धरना।
रत्ती	रक्तिका	एक प्रकार का बहुत छोटा मान, जिसका व्यवहार सोने या ओधिषयों आदि के तौलने में होता है। यह आठ चावल या ढाई जौ के बराबर होता है और प्रायः धुधची के दाने से तौला जाता है। गुंजा।
रस्सी	रश्मि	रुई सन या इसी प्रकार के और रेशों के सूता या डोरों के एक में बटकर बनाया हुआ लंबा खंड जिसका व्यवहार चीजों को बाँधने, कूएँ से पानी खींचने आदि में होता है। डोरी।
अरहट	अरघट	एक यंत्र जिसमें तीन चक्कर या पहिए होते हैं। इन पहीयों पर घड़ों की माला लगी होती है जिनसे कुएँ से पानी निकाला जाता है।
राख	क्षार	किसी बिलकुल जले हुए पदार्थ का अवशेष। भस्म।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
राखी	रक्षा	वह मंगलसूत्र जो कुछ विशिष्ट अवसरों पर, विशेषतः श्रावणी पूर्णिमा के दिन ब्राह्मण या और लोग अपने यजमानों अथवा आत्मीयों के दाहिने हाथ की कलाई पर बाँधते हैं । रक्षाबंधन का डोरा । रक्षा ।
राजपूत	राजपुत्र	राजपूताने में रहनेवाले क्षत्रियों के कुछ विशिष्ट वंश जो सब मिलाकर एक बड़ी जाति के रूप में माने जाते हैं ।
राज्य	राष्ट्र	राजा का काम । शासन ।
रात	रात्रि	समय का वह भाग जिसमें सूर्य का प्रकाश हम तक नहीं पहुँचता । संध्या से प्रातःकाल तक का समय । दिन का उलटा ।
रानी	राज्ञी	राजा की स्त्री । राजा की पत्नी । २. स्वामिनी ।
राय	राजन्	राजा । छोटा राजा या सरदार । सामंत ।
रीछ	ऋक्ष	भालू ।
रीठा	अरिष्टक	एक बड़ा जंगली वृक्ष जो प्रायः बंगाल, मध्य प्रदेश, राजपूताने तथा दक्षिण भारत में पाया जाता है । यह देखने में बहुत सुंदर होता है । इस वृक्ष का फल जो बेर के बराबर होता है । इसे पानी में भिगोकर मलने से फेन निकलता है जिससे कपड़े धोए जाते हैं । काश्मीर में शाल आदि प्रायः इसी

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
		से साफ किए जाते हैं । यह रेशम तथा जेवर धोने के काम में भी आता है । इसे फेनिल भी कहते हैं ।
रीता	रिक्त	जिसके अंदर कुछ न हो । रिक्त । शून्य ।
रोयाँ	रोम	बाल जो सब दूध पिलानेवाले प्राणियों के शरीर पर थोड़े या बहुत उगते हैं ।
रुखा	रुक्ष	जो चिकना न हो । जिसमें चिकनाहट का अभाव हो ।
रुठना	रुष्ट	किसी से अप्रसन्न होकर कुछ समय के लिये सबंध छोड़ना ।
रैन	रजनी	रात्रि ।
रोना	रोदन	दुःख या शोक से व्याकुल होकर मुँह से विशेष प्रकार का स्वर निकालना और नेत्रों से जल छोड़ना ।
लकड़ी	लगुड	पेड़ का कोई स्थूल अंग (डाल, तना आदि) जो कटकर उससे अलग हो गया हो । काठ ।
लखन	लक्ष्मण	श्रीरामचंद्र जी के छोटे भाई लक्ष्मण का नाम ।
लँगड़ा	लङ्घ	व्यक्ति या पशु आदि जिसका एक पैर बेकाम या टूटा हुआ हो ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
लँगोट	लिङ्गपट्ट	कमर पर बाँधने का एक प्रकार का बना हुआ वस्त्र जिससे केवल उपस्थ ढका जाता है ।
लंबा	लम्बक	जिसके दोनों छोर एक दूसरे से बहुत अधिक दूरी पर हों । जिसका विस्तार, आयतन की अपेक्षा, बहुत अधिक हो । जो किसी एक ही दिशा में बहुत दूर तक चला गया हो ।
लहसुन	लशुन	एक केंद्र से उठकर चारों ओर गिरी हुई लंबी लंबी पतली पत्तियों का एक पौधा, जिसकी जड़ गोल गाँठ के रूप में होती है ।
लाख	लक्ष	सौ हजार ।
लँघना	लङ्घन	किसी चीज के इस पार से उस पार जाना । डँकना ।
लाज	लज्जा	अंतःकरण की वह अवस्था जिसमें स्वभावतः अथवा अपने किसी भद्रे या बुरे आचरण की भावना के कारण वसरों के सामने वृत्तियाँ संकुचित हो जाती हैं, चेप्टा मंद पड़ जाती है, मुँह से, शब्द नहीं निकलता सिर नीचा हो जाता है और सामने ताका नहीं जाता ।
लाठी	यष्टि	वह लंबी और गोल बड़ी लकड़ी जिसका व्यवहार चलने में सहारे के लिये अथवा मारपीट आदि के लिये होता है । डंडा । लकड़ी ।
लीख	लिक्षा	जूँ का अंडा ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
लीपना	लेपन	धुले हुए रंग, मिट्टी, गोबर या और किसी गीली वस्तु को पतली तह चढ़ाना । पोतना ।
लुनाई	लावण्य	सुंदरता । सलोनानपन ।
लुहार	लौहकार	लोहे का काम करनेवाला । वह जाति जो लोहे की चीजें बनाती है ।
लेई	लेह्य	पानी में धुले हुए किसी चूर्ण को गाढ़ा करके बनाया हुआ रसीला पदार्थ जिसे उँगलो से उठाकर चाट सकें । अवलेह ।
लोग	लोक	जन । मनुष्य ।
लोना	लवण	लवण । नमक ।
लोमड़ी	लोमश	कुत्ते या गीदड़ की जाति का एक जंतु जो ऊँचाई में कुत्ते से छोटा होता है, पर विस्तार में लंबा ।
लोहा	लोह	एक प्रसीद्ध धातु जो संसार के सभी भागों में अनेक धातुओं के साथ मिली हुई पाई जाती है ।
लोहार	लौहकार	एक जाति जो लोहे का काम करती है ।
लौंग	लवङ्ग	एक झाड़ की कली जो खिलने से पहले ही तोड़कर सुखा ली जाती है ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
वह	सः	एक शब्द जिसके द्वारा दूसरे मनुष्य से बातचीत करते समय किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है।
विछोह	विच्छेद	प्रिय से अलग या दूर होना। वियोग।
शक्कर	शर्करा	चीनी।
शाप	श्राप	अहित-कामना-सूचक शब्द। तुम्हारा कुछ अनिष्ट हो, इस प्रकार का वचन। कोसना। धिक्कार। फटकारना। भर्त्सना।
शाम	सायम्	सूर्य अस्त होने का समय। रात्रि और दिवस के मिलने का समय। साँझ। संध्या।
शीश	शीर्ष	सिर। मुँड। कपाल। माथा। सबसे ऊपर का भाग।
शीशम	शिंशपा	एक प्रकार का पेड़ जिसका तना भारी, सुंदर और मजबूत होता है। विशेष—यह पेड़ बहुत ऊँचा और सीधा होता है। इसकी पत्तियाँ छोटी और गोल होती हैं। लकड़ी लाल रंग की होती है और मजबूती तथा सुंदरता के लिये प्रसिद्ध है। इससे पलंग, कुरसी, मेज आदि सजावट के सामान बढ़िया बनते हैं।
सगा	स्वक	एक माता से उत्पन्न। सहोदर।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सगुन	शकुन	किसी काम के समय दिखाई देनेवाले लक्षण जो उस काम के संबंद में शुभ या अशुभ माने जाते हैं । वे चिह्न आदि जो किसी काम के संबंद में शुभ या अशुभ माने जाते हैं ।
सच	सत्य	जो यथार्थ हो । सत्य । वास्तविक । ठीक ।
सजाना	सज्जा	वस्तुओं को यथास्थान रखना । यथाक्रम रखना ।
सताना	सन्ताप	कष्ट पहुँचाना । दुःख देना । पीड़ित करना ।
सत्तू	शक्तु	भुने हुए जौ और चने या और किसी अन्न का चूर्ण या आटा जो पानी में घोलकर खाया जाता है । मुहां—सत्तू बाँधकर पीछे पड़ना = (१) तैयारी के साथ किसी को तंग करने में लगना । सब काम धंधा छोड़कर किसी के विरुद्ध प्रयत्न करना । (२) पूर्ण तैयारी के साथ किसी काम में लगना । सब काम धंधा छोड़कर प्रवृत्त होना ।
सपना	स्वप्न	वह दृश्य जो निद्रा की दशा में दिखाई पड़े । नींद में अनुभव होनेवाली बात ।
सपूत्र	सुपुत्र	वह पुत्र जो अपने कर्तव्य का पालन करे । अच्छा पुत्र ।
समझ	सज्जान	किसी बात को अच्छी तरह जानने की शक्ति ।
सयाना	सज्जान	अधिक अवस्थावाला । वयस्क । समझदार ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सरसों	सर्षप	एक धान्य या पौधा जिसके गोल गोल छोटे बीजों से तेल निकलता है। एक तेलहन।
सलाई	शलाका	धातु या लकड़ी की बनी हुई कोई पतली छोटी छड़।
ससुर	श्वशुर	जिसके पुत्री या पुत्र से व्याह हुआ हो। पति या पत्नी का पिता।
ससुराल	श्वशुरालय	ससुर का घर। पति या पत्नी के पिता का घर।
साँई	स्वामी	प्रभु। ईश्वर। परमात्मा। पति।
साखी	साक्षि	आंखों देखी बात बताने वाला।
साग	शाक	पौधों की खाने योग्य पत्तियाँ। शाक। भाजी।
साँचा	सञ्चक	वह उपकरण जिसमें कोई तरल पदार्थ ढालकर अथवा गीली चीज रखकर किसी विशिष्ट आकार प्रकार की कोई चीज बनाई जाती है।
साजन	सज्जन	पति। भर्ता। स्वामी। प्रेमी। वल्लभ। ईश्वर।
साँझ	सन्ध्या	शाम। सायंकाल।
साडे	सार्दू	और आधे से युक्त। आधा और के साथ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सात	सप्त	पाँच और दो । छह से एक अधिक ।
साँप	सर्प	एक प्रसिद्ध रेंगनेवाला लंबा कीड़ा जिसके हाथ पैर नहीं होते और जो पेट के बल जमीन पर रेंगता है ।
साला	श्यालक	पत्नी का भाई । एक प्रकार की गाली । भित्ति । गृह ।
साली	श्यालकी	पत्नी की बहन ।
सावन	श्रावण	श्रावण का महीना । आषाढ़ के बाद का और भाद्रपद के पहले का महीना ।
साँवला	श्यामलक	जिसके शरीर का रंग कुछ कालापन लिए हुए हो । श्याम वर्ण का ।
सास	श्वशू	पति या पत्नि की माँ ।
साँस	श्वास	नाक या मुँह के द्वारा बाहर से हवा खींचकर अंदर फेफड़ों तक पहुँचाने और उसे फिर बाहर निकालने की क्रिया ।
सिक्ख	शिष्य	वह जो शिक्षा या उपदेश देने के योग्य हो । वह जो विद्या पढ़ने के उद्देश्य से किसी गुरु या आचार्य आदि के पास रहता हो । विद्यार्थी । चेला ।
सिंगार	शृङ्घार	सजावट । सज्जा । बनाव । शोभा ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सियार	शृगाल	गीदड़ ।
सिर	शिरस्	शरीर के सबसे अगले या ऊपरी भाग का गोल तल जिसके भीतर मस्तिष्क रहता है । कपाल । खोपड़ी ।
सिल	शिला	पत्थर । चट्टान ।
सींग	शृङ्ग	खुरवाले कुछ पशुओं के सिर के दोनों ओर शाखा के समान निकले हुए कड़े नुकीले अवयव जिनसे वे आक्रमण करते हैं ।
सीढ़ी	श्रेणी	किसी ऊँचे स्थान पर क्रम क्रम से चढ़ने के लिये एक के ऊपर एक बना हुआ पैर रखने का स्थान । पैड़ी ।
सीस	शीर्ष	सिर । माथा । मस्तक ।
सूअर	शूकर	एक प्रसिद्ध स्तन्यपायी वन्य जंतु । वराह ।
सूई	सूची	पक्के लोहे का छोटा पतला तार जिसके एक छोर में बहुत बारीक छेद होता है और दूसरे छोर पर तेज नोक होती है । छेद में तागा पिरोकर इससे कपड़ा सिया जाता है ।
सुनार	स्वर्णकार	सोने, चाँदी के गहने आदि बनानेवाली जाति ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सुमिरण	स्मरण	याद करना। स्मरण। स्मृति।
सिमरन	स्मरण	याद करना। स्मरण। स्मृति।
सुहाग	सौभाग्य	स्त्री की सधवा रहने की अवस्था। सौभाग्य।
सूखा	शुष्क	जिसमें जल न रह गया हो। जिसका पानी निकल, उड़ या जल गया हो।
सूँड	शुण्ड	हाथी की नाक जो बहुत लंबी होती है और नीचे की ओर प्रायः जमीन तक लटकती रहती है।
सूत	सूत्र	रुई, रेशम आदि का महीन तार जिससे कपड़ा बुना जाता है। तंतु।
सूना	शून्य	जिसमें या जिसपर कोई न हो। जनहीन। निर्जन। सुनसान। एकांत। निर्जन स्थान।
सूरज	सूर्य	अंतरिक्ष में पृथ्वी, मंगल, शनि आदि ग्रहों के बीच सबसे बड़ा ज्वलंत पिंड जिसकी सब ग्रह परिक्रमा करते हैं। वह बड़ा गोला जिससे पृथ्वी आदि ग्रहों को गरमी और रोशनी मिलती है।
सेज	शय्या	पलंग और बिछौना।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
सेठ	श्रेष्ठिन्	बड़ा साहूकार । महाजन । कोठीवाल । बड़ा या थोक व्यापारी । धनी मनुष्य । धनी और प्रतिष्ठित वणिकों की उपाधि । खत्रियों की एक जाति ।
सेँध	सन्धि	चोरी करने के लिये दीवार में किया हुआ बड़ा छेद जिसमें से होकर चोर किसी कमरे या कोठरी में घुसता है । संधि । सुरंग ।
सौँठ	शुण्ठि	सुखाया हुआ अदरक ।
सोना	सुवर्ण	सुंदर उज्ज्वल पीले रंग की एक प्रसिद्ध बहुमूल्य धातु जिसके सिक्के और गहने आदि बनते हैं ।
सोलह	षोडश	जो गिनती में दस से छह अधिक हो । षोडश ।
सौ	शत	जो गिनती में पचास का दूना हो । नब्बे और दस । शत ।
सौत	सप्तनी	किसी स्त्री के पति या प्रेमी की दूसरी स्त्री या प्रेमिका । किसी स्त्री की प्रेमप्रतिद्वन्द्विनी ।
हड्डी	अस्थि	शरीर की तीन प्रकार की वस्तुओं—कठोर, कोमल और द्रव—में से कठोर वस्तु जो भीतर ढाँचे या आधार के रूप में होती है । अस्थि ।
हथिनी	हस्तिनी	हाथी की मादा ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वव कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
हर्ष	हरीतकी	बड़ी जाति की हड़ जिसका उपयोग त्रिफला में होता है और जो रँगाई के काम में आती है ।
हरा	हरित	धास या पत्ती के रंग का ।
हलदी	हरिद्रा	डेढ़ दो हाथ ऊँचा एक पौधा जिसमें चारों ओर टहनियाँ नहीं निकलतीं, कांड के चारों हाथ पौन हाथ लंबे और तीन चार अंगुल चौड़े पत्ते निकलते हैं । इसकी जड़, जो गाँठ के रूप में होती है, व्यापार की एक प्रसिद्ध वस्तु है, क्योंकि वह मसाले के रूप में नित्य के व्यवहार की भी वस्तु है और रँगाई तथा औषध के काम में भी आती है । गाँठ पीसने पर बिलकुल पीली हो जाती है । इससे दाल, तरकारी आदि में भी यह डाली जाती है और इसका रंग भी बनता है ।
हँसना	हसन	आनंद के वेग से कंठ से एक विशेष प्रकार का आधातरूप स्वर निकालना । खुशी के मारे मुँह फैलाकर एक तरह की ध्वनि करना । खिलखिलाना । कहकहा लगाना ।
हाट	हट्ट	वह स्थान जहाँ कोई व्यवसायी बेचने के लिये चीजें रखकर बैठता है ।
हँड़ी	हण्डिका	मिट्टी का मझोला बरतन जो बटलोई के आकार का हो । हँड़िया ।

## सुपद्म लघु हिंदी तद्वच कोष

हिंदी	संस्कृत	शब्दार्थ
हाथ	हस्त	मनुष्य, बंदर आदि प्राणियों का वह दंडाकार अवयव जिसमें वे वस्तुओं को पकड़ते या छूते हैं। बाहु से लेकर पंजे तक का अंग, विशेषतः कलाई और हथेली या पंजा। कर।
हाथी	हस्ती	एक बहुत बड़ा स्तनपायी जंतु जो सूँड के रूप में बढ़ी हुई नाक के कारण और सब जानवरों से विलक्षण दिखाई पड़ता है।
हितैषी	हितैषिन्	भला चाहनेवाला। कल्याण मनानेवाला।
हिरन	हरिण	मृग
हीरा	हीरक	एक रत्न या बहुमूल्य पत्थर जो अपनी चमक और कड़ाई के लिये प्रसिद्ध है। वज्रमणि।
होँठ	ओष्ठ	प्राणियों के मुखविवर का उभरा हुआ किनारा जिससे दाँत ढँके रहते हैं। ओष्ठ। रदनच्छद।
होली	होलिका	हिंदुओं का एक बड़ा त्योहार जो फाल्गुन के अंत में बसंत ऋतु के आरंभ पर चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को मनाया जाता है और जिसमें लोग एक दूसरी पर रंग, अबीर आदि डालते तथा अनेक प्रकार के विनोद करते हैं।